लखनऊ । वाराणसी । नई दिल्ली

06 नवम्बर 2026 शुक्रवार
वर्ष : 20 अंक: 124
पृष्ठ : 8
वाराणसी
काशी संस्करण
मूल्य: 2.00 रूपए

लोक हस्तक्षेप

Power Of Truth

हिन्दी दैनिक

www.facebook.com/lokhastakshep www.twitter.com/lokhastakshep /Lokhastakshep /Lokhastakshep

www.lokhastakshep.com



काग्रेस और सपा को लोकतंत्र की नहीं, अपने परिवारों की चिंता है : योगी

एजेंसी,गाजियाबाद । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को कांग्रेस और समाजवादी पार्टी (सपा) पर निशाना साधते हुए कहा कि दोनों दलोंका अभियान लोकतंत्र बचाने का नहीं, बल्कि अपने परिवारों को बचाने का है और आरोप लगाया कि परिवारवादी राजनीति के कारण इन दलों में एक ही परिवार के लोग नेतृत्व करते हैं। प्रदेश के गाजियाबाद में भाजपा की ओर से आयोजित लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ पदयात्रा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस चुनाव हारने के बाद इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम), निर्वाचन आयोग और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर सवाल उठाती है। योगी ने कहा कि अपनी हार की समीक्षा करने के बजाय स्वैधानिक संस्थाओं को कठघरे में खड़ा करना उसकी आदत बन गई है। मुख्यमंत्री ने राहुल गांधी पर तंज कसते



हुए उनकी तुलना ऐसे विद्यार्थी से की, जो परीक्षा में असफल होने पर अपनी गलतियां स्वीकार करने के बजाय नए—नए बहाने बनाता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जनता का विश्वास खोने के बावजूद आत्ममंथन करने को तैयार नहीं है। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस शासनकाल के राष्ट्रमंडल, 2जी और कोयला घोटालों का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि भ्रष्टाचार और अराजकता से परेशान जनता ने 2014 में नरेंद्र मोदी को देश की बागडोर सौंपी। सपा पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि पार्टी की पिछली चार सरकारों में गुंडागर्दी, दंगे और कर्फ्यू, उत्तर प्रदेश की पहचान बन गए थे।

उन्होंने कोसीकलां, मुजफ्फरनगर, मथुरा, बरेली, संभल, मुरादाबाद, बुलंदशहर, मेरठ और सहारनपुर की घटनाओं का उल्लेख किया। उन्होंने आरोप लगाया कि सपा शासन में महिलाओं, व्यापारियों और मीडिया की सुरक्षा भी खतरे में थी। योगी ने कांग्रेस पर 1975 में आपातकाल लगाने और 1984 की सिख विरोधी हिंसा का जिक्र करते हुए लोकतांत्रिक मूल्यों के उल्लंघन का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और सपा ने अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का विरोध किया, जबकि आज वहां भव्य मंदिर बनकर तैयार है। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में विरासत और विकास के साथ आगे बढ़ने का दावा करते हुए राम मंदिर, काशी विश्वनाथ धाम और गरीबों को आवास उपलब्ध कराने का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कई राज्यों में लंबे समय से सत्ता से बाहर है। ऐसे में अपनी चुनावी हार के लिए निर्वाचन आयोग को जिम्मेदार ठहराना उचित नहीं है।

यूजीसी के नए नियमों पर फिर से विचार के लिए कमेटी बनाएंगे', सुप्रीम कोर्ट में मोदी सरकार ने कहा

एजेंसी,नयी दिल्ली। उच्च शिक्षण संस्थानों में समानता को बढ़ावा देने वाले यूजीसी के नए नियमों पर केंद्र सरकार दोबारा विचार कर रही है। गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में सरकार ने बताया कि वह यूजीसी प्रमोशन ऑफ इक्विटी इन हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशंस रेगुलेशंस, 2026 की समीक्षा के लिए कमेटी गठित करने पर विचार कर रही है। अदालत ने मामले की सुनवाई चार सप्ताह के लिए टाल दी। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ को बताया कि सरकार ऐसा ढांचा चाहती है जिसमें सभी छात्रों के हितों का ध्यान रखा जाए और किसी भी वर्ग को असंतोष या आशंका न हो। पीठ ने भी कहा कि सभी विद्यार्थियों के हितों की सुरक्षा जरूरी है।

यूजीसी ने जनवरी 2026 में उच्च



शिक्षण संस्थानों में समानता और भेदभाव की रोकथाम के लिए नए नियम अधिसूचित किए थे। इनका उद्देश्य जाति आधारित भेदभाव रोकना और छात्रों को समान अवसर देना था। नए नियमों ने 2012 के पुराने विनियमों की जगह ली, लेकिन जातिगत भेदभाव की परिभाषा और उसके दायरे को लेकर विवाद खड़ा हो गया। नियम 3(1)(ब) में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के सदस्यों के साथ होने वाले अनुचित व्यवहार को जाति आधारित भेदभाव के दायरे में रखा गया था। नियमों को चुनौती देने वाले याचिकाकर्ताओं का कहना था कि प्रावधानों में सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों के हितों की पर्याप्त सुरक्षा नहीं है और नियमों का दायरा असंतुलित हो सकता है। समर्थकों का तर्क है कि परिसरों में जातिगत भेदभाव रोकने के लिए प्रभावी और मजबूत व्यवस्था जरूरी है।

कांग्रेस ने सरकार पर साधा निशाना, लगाया वोट चोरी के बाद हक-हुकूक चोरी की तैयारी का आरोप

एजेंसी,नयी दिल्ली। कांग्रेस ने सामाजिक कल्याण योजनाओं के लाभार्थियों की पहचान के लिए आधार के स्थान पर मतदाता पहचान पत्र (वोटर आईडी) इस्तेमाल किए जाने की कथित योजना को लेकर बृहस्पतिवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधा और



सवाल किया कि क्या यह मोदी सरकार की आधिकारिक नीति है? कांग्रेस नेता का कहना था, यदि ऐसा है तो इसका मतलब होगा कि आधार का इस्तेमाल उस प्राथमिक उद्देश्य के लिए नहीं किया जाएगा, जिसके लिए इसकी परिकल्पना की गई थी और इसे तैयार किया गया था। रमेश ने कहा कि आधार के इस्तेमाल के तरीके को लेकर पहले भी उचित चिंताएं जताई जाती रही हैं। उनके मुताबिक, इसके कारण लाखों लोग सामाजिक कल्याण और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के लाभ से वंचित हुए हैं।

रमेश ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि केंद्रीय पंचायती राज मंत्री राजीव रंजन सिंह ने पिछले कुछ दिनों में दो बार कहा है कि सामाजिक कल्याण कार्यक्रमोंके लाभार्थियों की पहचान के लिए आधार की जगह वोटर आईडी का इस्तेमाल किया जाएगा। उन्होंने सवाल किया कि क्या यह अब मोदी सरकार की आधिकारिक नीति है? कांग्रेस नेता का कहना था, यदि ऐसा है तो इसका मतलब होगा कि आधार का इस्तेमाल उस प्राथमिक उद्देश्य के लिए नहीं किया जाएगा, जिसके लिए इसकी परिकल्पना की गई थी और इसे तैयार किया गया था। रमेश ने कहा कि आधार के इस्तेमाल के तरीके को लेकर पहले भी उचित चिंताएं जताई जाती रही हैं। उनके मुताबिक, इसके कारण लाखों लोग सामाजिक कल्याण और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के लाभ से वंचित हुए हैं।

ईडी मामले में आजम खान को झटका

एजेंसी,नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दर्ज धनशोधन के एक नए मामले में समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान की जमानत याचिका पर बृहस्पतिवार को सुनवाई करने से इनकार कर दिया। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने खान की याचिका को इलाहाबाद हाई कोर्ट मेंस्थानांतरित कर दिया और मुख्य न्यायाधीश से 16 नवंबर को एक खंडपीठ के समक्ष इस मामले को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने का आग्रह किया। शीर्ष अदालत ने उच्च न्यायालय से 16 नवंबर को ही खान की याचिका पर अंतरिम आदेश पारित करने को भी कहा। खान की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने दुर्भावनावश ईडी की कार्रवाई करने का आरोप लगाते हुए कहा कि जब उन्हें रिहा किया जाने वाला था, तभी गिरफ्तार कर लिया गया। सिब्बल ने कहा, वे सिर्फ इतना चाहते हैं कि मैं (आजम खान) चुनाव के दौरान जेल में रहूं।

हड़ताल से नहीं लौटने वाले राजस्व कर्मचारियों पर होगी कार्रवाई अमीनों को मिलेगा पदभार

एजेंसी,पटना। बिहार के भूमि सुधार एवं राजस्व मंत्री दिलीप जायसवाल ने गुरुवार को कहा कि हड़ताल पर गए कई राजस्व कर्मचारी और अमीन काम पर लौट आए हैं और अपना काम कर रहे हैं। सरकार ने हड़ताल पर अब तक नहीं लौटने वाले कर्मचारियों और अमीनों के स्थान पर वैकल्पिक व्यवस्था कर ली है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार की सकारात्मक वार्ता के बाद भी जो कर्मचारी काम पर नहीं लौटेंगे, उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। मंत्री ने कहा कि विभाग ने जनता को किसी तरह की परेशानी नहीं होने देने के लिए पूरी तैयारी कर ली है। उन्होंने बताया कि हड़ताल पर गए कर्मचारियों के स्थान पर विशेष सर्वेक्षण अमीनों को पदभार सौंपा जाएगा। इसके तहत लगभग 3,200 से 4,000 विशेष सर्वेक्षण अमीनों की तैनाती की जाएगी। उन्होंने कहा कि विभाग के पास लगभग 13,000 अमीन सर्वेक्षण कार्य में लगे हुए हैं। इनमें से अमीनों को लेकर तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था के तहत तैनात किया जा रहा है। साथ ही, हड़ताल पर गए कर्मचारियों के डोंगल भी बंद किए जा रहे हैं। इससे सरकार का काम नहीं रुकेगा और हड़ताल का असर राजस्व संबंधी कार्यों पर नहीं पड़ेगा। दिलीप जायसवाल ने कहा कि हड़ताल पर लौटने वाले कर्मचारियों का स्वागत है, लेकिन जो लोग काम पर नहीं लौटेंगे, उनके खिलाफ सरकार के नियमों के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि आम जनता को किसी तरह की परेशानी नहीं हो।

उत्तर प्रदेश में किसानों की भूमिका बदलेगी, अब अन्नदाता के साथ ऊर्जादाता भी बनेंगे : नितिन गडकरी

संवाददाता,जौनपुर। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बृहस्पतिवार को कहा कि उत्तर प्रदेश के किसान न केवल खाद्य उत्पादक होंगे, बल्कि बिजली, ईंधन, विमानन ईंधन और हाइड्रोजन के भी प्रदाता बनेंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश अंततः ऊर्जा निर्यातक राज्य बन सकता है। गडकरी ने जौनपुर जिले के मुंगरा बादशाहपुर में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, हमारा किसान न केवल अन्नदाता होगा, बल्कि ऊर्जा, ईंधन, विमानन ईंधन और हाइड्रोजन ऊर्जा का भी प्रदाता होगा। वह मुंगरा बादशाहपुर बाईपास सहित 3,650 करोड़ रुपये की लागत वाली आठ राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की आधारशिला रखने और उनका उद्घाटन करने के लिए जिले में आए थे। केंद्रीय मंत्री ने ठेकेदारों को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि उनके विभाग पर कोई



भ्रष्टाचार का आरोप नहीं लगा सकता, लेकिन ठेकेदारों को काम की गुणवत्ता सुनिश्चित करनी होगी।

ऐसा नहीं करने पर उन्हें भविष्य में कोई ठेका नहीं दिया जाएगा। गडकरी ने बताया कि मंत्री बनने के बाद जब वह पहली बार उत्तर प्रदेश आए थे, तब उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से वादा किया था कि एक दिन राज्य की सड़कें अमेरिका की सड़कों जैसी हो जाएंगी। उन्होंने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जॉन एफ. कैनेडी का हवाला देते हुए कहा, अमेरिका की सड़कें इसलिए अच्छी नहीं हैं क्योंकि अमेरिका अमीर है, बल्कि अमेरिका इसलिए अमीर है क्योंकि वहां की सड़कें अच्छी हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उन्होंने उत्तर प्रदेश की सड़कों को भी अमेरिका की सड़कों के बराबर बनाने का वादा किया था। गडकरी ने बताया, उत्तर प्रदेश में पांच लाख करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली सड़क परियोजनाओं पर काम हो रहा है।

कोबरा जहर की तस्करी पर बड़ी कार्रवाई

एजेंसी,ठाणे । महाराष्ट्र के ठाणे जिले में पुलिस ने वन्यजीव तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए 500 मिलीग्राम से अधिक कोबरा सांप का विष जब्त किया है, जिसकी कीमत 5.2 करोड़ रुपये बताई गई है। इस मामले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस की अपराध जांच इकाई ने एक गुप्त सूचना के आधार पर 29 अक्टूबर को काशीगांव इलाके में डोडिया पेट्रोल पंप के पास जाल बिछाया। मीरा रोड संभाग के सहायक पुलिस आयुक्त गणपत पिंगले ने संवाददाताओं को बताया कि पुलिस ने मोहम्मद दानिश फैयम खान (23) और अब्दुल करीम राशिद अहमद शेख (51) के पास से कांच की दो शीशियां बरामद कीं जिनमें क्रमशः करीब 250 मिलीग्राम और 260 मिलीग्राम कोबरा सांप का विष था।

अस्पताल मालिक से मांगे 20 करोड़ रुपये लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के नाम केस दर्ज

एजेंसी,नयी दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने बाहरी दिल्ली के निहाल विहार स्थित एक निजी अस्पताल के मालिक को जान से मारने की धमकी देकर 20 करोड़ रुपये



की रंगदारी मांगने के मामले में प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस सूत्रों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस सूत्रों के अनुसार, अस्पताल के मालिक शिकायतकर्ता शकील सैफी को तीन नवंबर को एक अंतरराष्ट्रीय नंबर से सोशल मीडिया के जरिए रंगदारी की मांग की गई थी। फोन करने वाले व्यक्ति ने अपनी पहचान अनिल पंडित के रूप में बताई और कथित तौर पर दावा किया कि उसने अस्पताल मालिक की रेकी की है। पुलिस के अनुसार उसने रकम का इंतजाम करने के लिए 24 घंटे का समय दिया और मांग पूरी नहीं होने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी। उसने खुद को गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के गिरोह से जुड़ा हुआ बताया। सैफी ने पुलिस को यह भी बताया कि उन्हें एक दिन पहले यानी दो नवंबर को उसी नंबर से धमकी भरा वॉयस मैसेज मिला था। पुलिस फोन करने वाले की पहचान, कथित गिरोह से उसके संबंध और रंगदारी मांगने के पीछे के मकसद सहित विभिन्न पहलुओं से मामले की जांच कर रही है।



खेलों का हमारे जीवन में बड़ा महत्व है : बंबा लाल दिवाकर

बच्चों के संपूर्ण विकास में शिक्षा के साथ साथ खेलों का भी महत्वपूर्ण स्थान है : शैलेश पांडे

लोक हस्तक्षेप संवाददाता
मियागंज , उन्नाव । विकासखंड मियागंज की ब्लॉक स्तरीय बाल क्रीडा प्रतियोगिता गौरा कनिगांव खेल मैदान, मियागंज में खण्ड शिक्षा अधिकारी मनीन्द्र कुमार के निर्देशन में आयोजित की गई। क्रीड़ा प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक बम्बा लाल दिवाकर एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में पधारे जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शैलेश कुमार पांडेय द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया । कार्यक्रम में उच्च प्राथमिक विद्यालय शिवधाना, कंपोजिट विद्यालय हैदराबाद एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय बरहा कला के छात्र छात्राओं द्वारा सरस्वती वन्दना, स्वागत गीत के साथ अन्य मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए । इस अवसर पर विधायक बंबालाल दिवाकर ने कहा कि खेलों का हमारे जीवन में बड़ा महत्व है, खेलों से हमारा शरीर स्वस्थ रहता है और एक स्वस्थ शरीर में ही एक स्वस्थ मस्तिष्क का विकास होता है इसलिए सरकार द्वारा भी खेलकूद को निरंतर बढ़ावा देने के प्रयास किए जा रहे है। कार्यक्रम में मौजूद जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने अपने उद्बोधन में कहा कि बच्चों के संपूर्ण विकास में शिक्षा के साथ साथ खेलों का भी महत्वपूर्ण स्थान है। उन्होंने सभी बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि आप सभी विजेता है और आप सभी आज यहां से जीत कर जाएंगे। प्रतियोगिता में प्राथमिक एवम उच्च प्राथमिक स्तर पर छात्र छात्राओं की अलग अलग खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गई, जिसमें 100 मीटर प्रथमिक स्तर बालक वर्ग



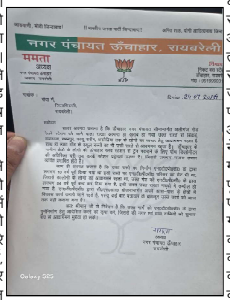
में कंपोजिट कनिगांव के हर्ष सिंह, बालिका वर्ग में कंपोजिट कनिगांव की ही छात्रा प्रिया ने बाजी मारी। 200 मीटर दौड़ में भी कनिगांव के छात्र विजेता रहे।इसी प्रकार कबड्डी जूनियर स्तर बालक वर्ग में कंपोजिट कनिगांव और बालिका वर्ग में उच्च प्राथमिक प्राथमिक विद्यालय कुल्हा का दबदबा रहा। खो खो, गोला फेंक में भी कंपोजिट विद्यालय कनिगांव के छात्र छात्रा अव्वल रहे। इस प्रकार खेलकूद प्रतियोगिता में आसीवन न्याय पंचायत प्रथम स्थान पर रही। विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता छात्र छात्राओं को विधायक द्वारा मेडल एवम प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया । कार्यक्रम में विभिन्न शिक्षक संगठनों के पदाधिकारियों में संजय सिंह, करम सिंह,कृष्ण शंकर मिश्र, अरविंद सिंह,शिवकुमार तिवारी अविनाश तिवारी, विमलेश सोनवानी, करुण कुशवाहा,सचिन सिंह, आशुतोष त्रिपाठी,रामेंद्र,हिमांशु

एवम महिला संगठन से सोनू सिंह,सुजाता सिंह, इत्यादि मौजूद रहे । कार्यक्रम के आयोजन में राशि,पुष्पलता,आशा, शिवानी,अजय सिंह, सौरभ सिंह, कपिल,कुलदीप, सतीश, अजीजुर्रहमान, अमित शर्मा, गोपाल का विशेष योगदान रहा। निर्णायक मंडल में ब्लॉक व्यायाम शिक्षक प्रवीण कुमार,रवि रावत,विपिन कुमार, नैमिष,रणंजय, द्वारा पारदर्शी एवम निष्पक्ष तरीके से प्रतियोगिता सम्पन्न कराई गई। अंत में खंड शिक्षा अधिकारी द्वारा निर्णायक व प्रशिक्षक एवम खेल प्रभारियों को मोमेंटो और फूलमाला से सम्मानित किया गया तथा सभी को धन्यवाद ज्ञापित कर कार्यक्रम का समापन किया गया।

एनटीपीसी की जर्जर सड़कों की होगी मरम्मत, ऊँचाहार को मिली बड़ी राहत

लोक हस्तक्षेप संवाददाता
ऊँचाहार, रायबरेली। नगर पंचायत अध्यक्ष ममता जायसवाल की पहल पर अब एनटीपीसी ऊँचाहार द्वारा निर्मित सभी जर्जर सड़कों की मरम्मत का रास्ता साफ हो गया है। जिलाधिकारी रायबरेली ने इस सम्बन्ध में यूनिट हेड एनटीपीसी ऊँचाहार को पत्र लिखकर तत्काल मरम्मत कराने के निर्देश दिए हैं।

जिलाधिकारी कार्यालय से 16 अक्टूबर 2026 को जारी पत्रांक 539 ए एस टी–1ए26 में कहा गया है कि एनटीपीसी ऊँचाहार द्वारा उमरन से पूरे बैस होते हुए गौरापुर मार्ग, उमरन से रालोन ऊँचाहार रोड से रायपुर मार्ग, उमरन आयुर्वेदिक अस्पताल से भख्शी मार्ग तक का निर्माण कार्य कई वर्ष पूर्व किया गया था। वर्तमान में इन मार्गों की दशा अत्यन्त दयनीय है, जिससे आम जनमानस को आवागमन में अत्यन्त कठिनाइयों का सामना



करना पड़ रहा है।

पत्र में यह भी उल्लेख है कि उक्त मार्गों को लोक निर्माण विभाग रायबरेली को हस्तांतरित किए जाने हेतु प्रमुख सचिव, लोक निर्माण विभाग, उ०प्र० शासन को पत्र प्रेषित किए जाने की कार्यवाही प्रचलित है। इसके साथ ही वर्तमान में एनटीपीसी अलीगंज मोड़ से रेलवे स्टेशन तक व अजय प्रजापति के मकान से लेकर मक्तिन का पुरवा, जफीराबाद एनटीपीसी रेलवे फाटक तक मार्ग की दशा भी अत्यन्त दयनीय है। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया है कि जब तक मार्गों के हस्तांतरण की कार्यवाही पूर्ण नहीं हो जाती, तब तक एनटीपीसी द्वारा निर्माण कराए गए समस्त मार्गों की मरम्मत का कार्य कराए जाने हेतु विचार करें, जिससे आम जनमानस को आवागमन में अत्यन्त कठिनाइयों का सामना न करना पड़े। इस आदेश के बाद नगर और ग्रामीण क्षेत्र के हजारों लोगों को जर्जर सड़कों से राहत मिलने की उम्मीद जगी है।

बंदर के बच्चे की मौत से भड़के बंदर, खागा तहसील में मचा आतंक, बाजार में पसरा सन्नाटा



लोक हस्तक्षेप संवाददाता
खागा। तहसील क्षेत्र में पिछले कुछ दिनों से बंदरों का आतंक चरम पर पहुंच गया है। तहसील में मुख्य गेट में एक बंदर के बच्चे की मौत के बाद बंदरों का पूरा झुंड आक्रामक हो गया है, जिसने तहसील परिसर, बाजार और आसपास के मोहल्लों में दहशत फैला रखी है। स्थानीय लोगों के अनुसार बंदरों का झुंड सुबह से ही तहसील परिसर, बस स्टैंड, सब्जी मंडी और मुख्य बाजार में घूम रहा है। बंदर राहगीरों पर झपट्टा मार रहे हैं, दुकानों से सामान उठा ले जा रहे हैं और छतों पर बैठकर लोगों को डरा रहे हैं। कई जगहों पर बंदरों ने महिलाओं और बच्चों को दौड़ा भी दिया, जिससे भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि दो दिन पहले एक बंदर के बच्चे की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। तभी से मादा बंदर समेत पूरा झुंड आक्रोशित है। झुंड उसी स्थान के आसपास मंडरा रहा है और आने–जाने वालों पर हमला करने की कोशिश कर रहा है। बंदरों के आतंक से बाजार में सन्नाटा पसर गया है। दुकानदार दुकानें खोलने से डर रहे हैं, वहीं स्कूली बच्चे और महिलाएं घरों से निकलने में घबरा रही हैं। लोगों ने वन विभाग और तहसील प्रशासन से बंदरों को पकड़कर सुरक्षित स्थान पर छोड़ने की मांग की है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो कोई बड़ी घटना हो सकती है।

146 सीतापुर सदर विधानसभा में नेतृत्व और विकास पर उठ रहे सवाल सागर गुप्ता की संभावित दावेदारी की भी चर्चा तेज

लोक हस्तक्षेप संवाददाता
सीतापुर। आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर 146 सीतापुर सदर विधानसभा क्षेत्र में राजनीतिक सरगर्मियां तेज होने लगी हैं। भारतीय जनता पार्टी के नेता एवं समाजसेवी सागर गुप्ता का नाम भी संभावित दावेदारों के रूप में राजनीतिक चर्चाओं में सामने आ रहा है। समर्थकों का मानना है कि उनकी सामाजिक सक्रियता और जनसंपर्क उन्हें विधानसभा चुनाव में एक मजबूत दावेदार बना सकते हैं।

करीब चार दशक से पिछड़े वर्ग के नेताओं का रहा प्रतिनिधित्व

सीतापुर सदर विधानसभा क्षेत्र की राजनीति पर नजर डालें तो लगभग चार दशकों से पिछड़े वर्ग से आने वाले नेताओं का प्रतिनिधित्व और नेतृत्व प्रमुखता से रहा है। इनमें राजेंद्र कुमार गुप्ता राधेश्याम जायसवाल राकेश राठौर तथा वर्तमान में राकेश राठौर गुरु का नाम प्रमुखता से लिया जाता है। राकेश राठौर गुरु वर्तमान में नगर विकास राज्य मंत्री भी हैं।

हालांकि लंबे समय से अलग–अलग जनप्रतिनिधियों के नेतृत्व के बावजूद शहर के बुनियादी विकास को लेकर आम नागरिकों की अपेक्षाएं पूरी तरह पूरी नहीं हो सकी हैं। विशेषकर सड़क नाली जलनिकासी और नागरिक सुविधाओं के क्षेत्र में अभी भी काफी काम किए जाने की आवश्यकता महसूस की जाती है।

पुरानी सड़कों का जीर्णोद्धार आज भी चुनौती

पूर्व विधायक राजेंद्र कुमार गुप्ता के कार्यकाल में बनी कुछ सड़कों की स्थिति आज भी चर्चा का विषय है। स्थानीय लोगों का कहना है कि उस समय बनी कई सड़कों का लंबे समय बाद भी अपेक्षित जीर्णोद्धार नहीं हो पाया है। कई मार्गों की हालत ऐसी है कि नागरिकों को आवागमन में परेशानियों का सामना करना पड़ता है। सवाल यह है कि वर्षों तक जनप्रतिनिधियों के नेतृत्व के बावजूद शहर की पुरानी सड़कों के पुनर्निर्माण और रखरखाव को प्राथमिकता क्यों नहीं मिल सकी।



नगर विकास राज्य मंत्री से जनता को थीं बड़ी उम्मीदें

राकेश राठौर गुरु को नगर विकास राज्य मंत्री की जिम्मेदारी मिलने के बाद सीतापुर के लोगों को शहर के विकास को लेकर काफी उम्मीदें जगी थीं। नागरिकों को विश्वास था कि अब शहर की जर्जर सड़कों का पुनर्निर्माण जलनिकासी व्यवस्था का सुधार प्रकाश व्यवस्था और अन्य बुनियादी सुविधाओं को गति मिलेगी। लेकिन स्थानीय स्तर पर अपेक्षित बदलाव दिखाई न देने से लोगों में निराशा की भावना भी सामने आ रही है। हालांकि विकास कार्यों की वास्तविक स्थिति का आकलन स्वीकृत परियोजनाओं बजट और विभागीय प्रगति के आधार पर किया जाना चाहिए।

सागर गुप्ता की संभावित दावेदारी से नई राजनीतिक चर्चा

इसी राजनीतिक पृष्ठभूमि में भाजपा नेता एवं समाजसेवी सागर गुप्ता की संभावित दावेदारी को लेकर चर्चाएं हो रही हैं। उनके समर्थकों का कहना है कि साफ–सुथरी छवि जनसंपर्क और सामाजिक गतिविधियों के आधार पर वे जनता के बीच अपनी जगह बना सकते हैं।

सीतापुर की जनता के सामने अब केवल राजनीतिक प्रतिनिधित्व का सवाल नहीं है बल्कि ऐसा नेतृत्व चुनने की अपेक्षा भी है जो चुनाव के बाद भी जनता के बीच उपलब्ध रहे और सड़क पानी जलनिकासी स्वास्थ्य शिक्षा तथा रोजगार जैसे मुद्दों पर ठोस परिणाम दे सके। राजनीति में अब चर्चा का केंद्र केवल जातीय समीकरण नहीं बल्कि विकास और जवाबदेही भी होना चाहिए। आगामी विधानसभा चुनाव में मतदाता किसे अपना प्रतिनिधि चुनते हैं यह तो समय बताएगा लेकिन इतना स्पष्ट है कि सीतापुर की जनता अब घोषणाओं से आगे बढ़कर धरातल पर विकास कार्य देखना चाहती है।

आयुष्मान योजना सरकार की बहुत ही महत्वाकांक्षी योजना : जिलाधिकारी

गरीबों को 5 लाख तक का निशुल्क इलाज सुलभ, अधिक से अधिक लोगों को जोड़ें

लोक हस्तक्षेप संवाददाता
उन्नाव । जिलाधिकारी घनश्याम मीना की अध्यक्षता जनपद उन्नाव के सघव रिसार्ट ललऊ खेड़ा में स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के एबीडीएम कार्यशाला का भव्य आयोजन स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और डॉक्टर की उपस्थिति में किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ जिलाधिकारी ने मां सरस्वती जी की मूर्ति पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने आयुष्मान भारत डिजटल मिशन, ऑनलाइन आधारित पंजीकरण, इलेक्ट्रॉनिक हेल्थ रिकार्ड(स्)में उत्कृष्ट कार्य करने वाले जिला महिला चिकित्सालय उन्नाव के अधीक्षक डॉक्टर अरविंद कुमार आनंद, चिकित्सा अधीक्षक सी एच सी पाटन श्री सुशील कुमार ,निजी चिकित्सा लय विद्या हॉस्पिटल को प्रशस्ति पत्र के साथ सम्मानित कर बधाई एवं शुभकामनाएं दिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि डॉक्टर भगवान का रूप होता है मरीज ही नहीं



उसका बहुत बड़ा परिवार भी जुड़ा होता है उसके साथ साइकोलॉजि भावना से कार्य करेंगे तो मरीज को खुशी होगी। कहा की लोगों की बहुत बड़ी आशा होती है आप सब का उत्तरदायित्व भी बनता है कि ईश्वर ने आपको यह मौका दिया है तो उसको पूरे तन्मयता के साथ करें तो आपको भी अच्छा लगेगा। कहा जो भी मरीज हो समय से देखेंगे समय से उसको दवा मिलेगी तो अवश्य ही स्वास्थ्य में जल्द सुधार दिखेगा। कहा की आयुष्मान योजना बहुत ही महत्वाकांक्षी योजना है जिसके तहत गरीबों को 5 लाख तक का निशुल्क इलाज किया जा सकता है । इसमें अधिक से अधिक लोगों को जोड़ें इसके तहत मरीजों की बड़ी सहायता की जा सकती है उनके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आ सकता है। कहा बीमारी में खर्च होने वाले पैसे से बचत होगी तो उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी । कहा बीमार व्यक्ति को आर्थिक और साइकोलॉजिकल मजबूती उसकी खुशी का अंदाजा नहीं लगा सकते हैं। कहा कि आभा पक बहुत ही महत्वपूर्ण है इसको अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाया जाए हर आदमी की आभा आईडी बने यह आवश्यक है इसके बहुत से लाभ हो सकते हैं । इसके तहत व्यक्ति कहीं पर भी जांच कराए कौन सी बीमारी है, कितनी जांचे कब कराई गई ,कहा कहा इलाज कराया गया उसकी आईडी खोलकर हर समय देखा जा सकता है।

अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर जे आर सिंह ने आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के सम्बंध में जानकारी देते हुए कहा कि

जिले के सभी नागरिकों के ABHA (Ayushman Bharat Health Account) कार्ड प्राथमिकता के आधार पर बनाये जाएगा।

प्राथमिक और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (PHC/CHC) पर आने वाले हर मरीज की डिजिटल हेल्थ आईडी जनरेट किया जाएगा।

जिले के सभी सरकारी और निजी अस्पतालों, पैथोलॉजी लैब और क्लीनिकों को ।टवड पोर्टल पर पंजीकृत करना अनिवार्य किया जाएगा।

जिले के सभी डॉक्टरों, नर्सों और पैरामेडिकल स्टाफ का सत्यापन कर डिजिटल डेटाबेस तैयार किया जाएएगा। इसी प्रकार अन्य स्वास्थ्य सेवाओं और कार्यों को डिजिटल किया जाएगा।

कार्यक्रम के अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर अजय शर्मा अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर जे आर सिंह मुख्य चिकित्सा अधीक्षक महिला डॉक्टर अरविंद कुमार आनंद मुख्य चिकित्सा अधीक्षक पुरुष सहित अन्य संबंधित अधिकारी स्टेट नोडल श्री शशांक बक्शी व जनपद के सभी चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर व स्टाफ मौजूद रहे ।

लाल का हुआ भव्य स्वागत, कोटवा सड़क पर उमड़ा जनसैलाब

लोक हस्तक्षेप संवाददाता
रामसनेहीघाट, बाराबंकी ।गांव की मिट्टी से निकलकर दिल्ली तक परचम लहराने वाले होनहार इंजी. अभिनव सिंह पाल का जनपद में पहली बार आगमन पर ऐसा स्वागत हुआ कि पूरा कोटवा सड़क खुशियों से गूंज उठा।ग्राम पुरे मंसूर, पोस्ट ६ नोरा, ग्राम सभा गंगवाई पठनान, तहसील हैदरगढ़ के निवासी राजबक्श सिंह पाल के पुत्र अभिनव सिंह पाल ने छब्ब (नेशनल हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर कॉरपोरेशन) भारत सरकार में जूनियर इंजीनियर के पद पर चयनित होकर न सिर्फ अपने परिवार, बल्कि पूरे बाराबंकी जनपद का नाम रोशन कर दिया है।जैसे ही अभिनव कोटवा सड़क



पहुंचे, पिता राजबक्श की आंखें खुशी से छलक उठीं। पिता ने बेटे को गले लगाकर फूल–माला पहनाई और मुंह मीठा कराया। क्षेत्र के लोगों ने भी फूल–मालाओं से लादकर उन्हें बधाइयां दीं और मौके पर मौजूद लोगों ने कहा – अभिनव ने साबित कर दिया कि गांव का बेटा भी बड़ी कुर्सी तक पहुंच सकता है,बस हौसला और मेहनत चाहिए।

आज वो हम सबके लिए प्रेरणा बन गया है।

वहीं इंजी. अभिनव सिंह पाल ने कहा कि यह सफलता मेरे अकेले की नहीं, मेरे माता–पिता के आशीर्वाद, गुरुजनों के मार्गदर्शन और गांव के लोगों के प्यार की है। मैं आगे भी इसी तरह मेहनत कर देश की सेवा करता रहूंगा।

जिलाधिकारी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने सड़क दुर्घटना में ई–रिक्शा सवार महिलाओं एवं बच्चों का लिया हालचाल



लोक हस्तक्षेप संवाददाता
उन्नाव। अचलगंज क्षेत्रांतर्गत ग्राम भैंसई के पास उन्नाव–लालगंज हाईवे पर एक ई–रिक्शा पंचर हो जाने के कारण अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे खंती में उतर गया तथा एक बाउंड्री से टकरा गया। ई–रिक्शा में कुछ महिलाएं एवं बच्चे सवार थे। इसी दौरान क्षेत्र में भ्रमणशील जिलाधिकारी घनश्याम मीणा एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक उन्नाव जय प्रकाश सिंह मय हमराह पुलिस बल मौके पर रुके तथा तत्काल ई–रिक्शा में सवार सभी महिलाओं एवं बच्चों को सुरक्षित बाहर निकलवाया। अधिकारियों द्वारा सभी का कुशलक्षेम जाना गया। राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी भी व्यक्ति को चोट नहीं आई।तत्पश्चात सभी महिलाओं एवं बच्चों को अन्य वाहन की व्यवस्था कर सकुशल उनके गंतव्य के लिए रवाना किया गया।

छात्र-छात्रा की संदिग्ध मौत पर बवाल, परिजनों ने रेप-मर्डर का आरोप लगा अंतिम संस्कार से किया इनकार

लोक हस्तक्षेप संवाददाता
लखीमपुर खीरी । मैगलगंज थाना क्षेत्र के औरंगाबाद (जहांगर) गांव में जिला पंचायत इंटर कॉलेज के दो विद्यार्थियों के शव गन्ने के खेत में पेड़ से लटके मिलने के बाद गुरुवार को भारी बवाल खड़ा हो गया। पोस्टमार्टम के बाद जब कक्षा 11 की छात्रा आरुषि यादव और कक्षा 7 के छात्र सुधाकर यादव के शव गांव पहुंचे, तो परिजनों ने अंतिम संस्कार करने से साफ मना कर दिया। मृतका के भाई ने आरोप लगाया है कि उसकी बहन के साथ सामूहिक दुष्कर्म करने के बाद दोनों की बेरहमी से हत्या की गई और मामले को आत्महत्या का रूप देने के लिए शवों को फंदे पर लटका दिया गया।

घटनास्थल पर मिले साक्ष्यों का हवाला देते हुए परिजनों का कहना है कि छात्रा के शरीर और कपड़ों पर खून के गहरे निशान थे, जो सीधे तौर पर हत्या की ओर इशारा करते हैं। पीड़ित परिवार अब आरोपियों के खिलाफ हत्या (धारा 103) और सामूहिक दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज करने तथा उनकी तुरंत गिरफ्तारी की मांग पर अड़ा है। गांव में फैले भारी तनाव को देखते हुए पुलिस और प्रशासन के आला अधिकारी कई थानों की फोर्स के साथ मौके पर मुस्तैद हैं।

दूसरी ओर, डॉक्टरों के पैनल द्वारा वीडियोग्राफी के तहत की गई पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण श्हैंगिंगश (फांसी लगना) बताया गया है। हालांकि, पुलिस का कहना है कि वे परिजनों के आरोपों को गंभीरता से ले रहे हैं और फॉरेंसिक टीम की मदद से हर संभावित एंगल की जांच की जा रही है। इस बीच, ६ ौरहरा सांसद आनंद भदौरिया और पूर्व सपा विधायक सुनील लाला समेत कई विपक्षी नेताओं ने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर निष्पक्ष जांच और न्याय की मांग की है। समाचार लिखे जाने तक प्रशासन परिजनों को समझाने और अंतिम संस्कार कराने के प्रयासों में जुटा हुआ है।

पीआरवी 112 और बस की टक्कर में पुलिसकर्मी घायल

हरदोई,संवाददाता। मंझिला थाना क्षेत्र में गुरुवार सुबह पीआरवी 112 पुलिस वाहन और स्लीपर बस के बीच जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में दोनों वाहन क्षतिग्रस्त हो गए, जबकि एक पुलिसकर्मी घायल हो गया। दुर्घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। गनीमत रही कि हादसे में कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ। जानकारी के अनुसार, मंझिला थाने की पीआरवी गाड़ी संख्या यूपी 32 डीजी 6299 और स्लीपर बस संख्या पीबी 03 बीएन 8225 के बीच टक्कर हुई। बताया गया कि स्लीपर बस शाहाबाद से पिहानी की ओर जा रही थी।

वंदे भारत स्लीपर में नॉन-वेज पर रोक की मांग, काशी के संतों ने खोला मोर्चा

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

वाराणसी। वाराणसी से नई दिल्ली के बीच हाल ही में शुरू हुई देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन के खान–पान को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है। काशी के संतों और विभिन्न धार्मिक संगठनों ने इस प्रीमियम ट्रेन में मांसाहारी भोजन परोसने पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाने की मांग की है। वाराणसी में आयोजित श्रसंस्कृति संसदश के मंच से अखिल भारतीय संत समिति ने इसके खिलाफ हुंकार भरते हुए रेल मंत्रालय को चेतावनी दी है।

अखिल भारतीय संत समिति के राष्ट्रीय महामंत्री स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती ने कहा कि काशी बाबा विश्वनाथ की परम पवित्र नगरी है। यहाँ देश–विदेश से लाखों श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं। शिवनगरी से प्रस्थान करने वाली इस अत्याधुनिक ट्रेन में सह–यात्रियों को मांसाहारी भोजन (नॉन–वेज) परोसे जाने से सनातन धर्मियों और तीर्थयात्रियों की धार्मिक भावनाएं गंभीर रूप से आहत हो रही हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि जब दिल्ली से अयोध्या और दिल्ली से कटरा (मां वैष्णो देवी धाम) जाने वाली वंदे भारत ट्रेनों में केवल शुद्ध शाकाहारी और सात्विक भोजन का विकल्प है, तो काशी के साथ ऐसा भेदभाव क्यों किया जा रहा है?

जैन समाज ने भी दर्ज कराया विरोध

इस मांग का दिगंबर जैन महासमिति के वाराणसी संभाग ने भी पुरजोर समर्थन किया है। समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि काशी जैन धर्म के चार तीर्थंकरों, विशेषकर 23वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ की पावन जन्मस्थली है। अहिंसा के सिद्धांत को मानने वाले समाज के लिए ट्रेन के भीतर मांसाहार का परोसा जाना किसी भी रूप में स्वीकार्य नहीं है। संस्कृति संसद के दूसरे दिन संतों और प्रबुद्ध जनों ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर वाराणसी–दिल्ली वंदे भारत स्लीपर में नॉन–वेज सेवा को तत्काल बंद करने का आग्रह किया है।

रेलवे के फैसले पर टिकी निगाहें

वाराणसी और नई दिल्ली के बीच सप्ताह में छह दिन चलने वाली इस नई वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस (ट्रेन नंबर 27421ध्27422) को लेकर संतों के इस कड़े रुख के बाद अब सबकी नजरें रेल मंत्रालय और आईआरसीटीसी (ध्च्ब्ब्) पर टिक गई हैं। हालांकि, रेलवे या सरकार की ओर से अभी तक इस मांग पर कोई आधिकारिक बयान या मेन्यू में बदलाव की घोषणा नहीं की गई है।

प्रांतीय विज्ञान मेले का सदर विधायक ने उद्घाटन किया

प्रतापगढ़,संवाददाता। जिले के सरस्वती शिशु मंदिर इंटर कॉलेज, गड़वारा में गुरुवार को जन शिक्षा समिति काशी प्रांत का तीन दिवसीय प्रांतीय विज्ञान मेला शुरू हुआ। इसमें 12 जनपदों के 52 विद्यालयों के बच्चों ने हिस्सा लिया। सदर विधायक राजेंद्र मौर्य ने दीप जलाकर मेले का उद्घाटन किया। इसके बाद विद्यालय के बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करके अतिथियों का स्वागत किया। मेले में जनपद और दूसरे जनपदों से आए विद्यार्थियों ने विज्ञान प्रदर्शनी में अपने मॉडल प्रस्तुत करके अपनी प्रतिभा दिखाई।

दीपोत्सव के चलते 6 की रात से 8 नवंबर रात 12 बजे तक लागू रहेगा डायवर्जन

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

लखनऊ। लखीमपुर, सीतापुर, हरदोई और कानपुर रोड से आने वाले भारी वाहनों के बाराबंकी होकर अयोध्या जाने पर रोक लखीमपुर, सीतापुर रोड से आने वाले भारी वाहन किसान पथ, सुलतानपुर रोड और पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे से जा सकेंगे हरदोई रोड के भारी वाहन किसान पथ अंडरपास से किसान पथ होते हुए सुलतानपुर रोड और पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे से जाएंगे। कानपुर रोड से आने वाले भारी वाहन फतेहपुर, लालगंज, बछरावां और हैदरगढ़ होते हुए पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे से जा सकेंगे। डायवर्जन के दौरान अयोध्या, बस्ती और गोरखपुर जाने वाले भारी वाहनों को वैकल्पिक मार्गों से आवागमन करना होगा।

भेष बदलकर पहुचे आबकारी अधिकारी को नही मिली शराब

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

उन्नाव । जिला आबकारी अधिकारी उन्नाव अनुराग सिंह के द्वारा आबकारी दुकानों के निर्धारित से पूर्व बिकी की जाँच खरीददार बनकर की गई। अज्ञात वाहन से अज्ञात व्यक्ति के साथ गम्छा लपेटे पहुंचे आबकारी अधिकारी द्वारा दुकानो के शटर के नीचे से ग्राहक बनकर शराब खरीदने का प्रयास किया गया परन्तु उन्हे कही सफलता नही मिली।



उन्होने बताया कि कोई भी दुकानदार समय के पूर्व या पश्चात् शराब की बिकी करता है तो उसके विरुद्ध आबकारी अधिनियम की सुसंगत धाराओ के अन्तर्गत नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी।

मालवाहक वाहनों में सवारी बैठाने से बचने की अपील

प्रतापगढ़,संवाददाता। जिले में यातायात माह नवंबर–2026 के तहत गुरुवार को यातायात पुलिस ने जागरूकता अभियान चलाया। पुलिस ने मालवाहक वाहनों और ट्रैक्टर–ट्रॉलियों में सवारी बैठाने से बचने की अपील की। अभियान का मकसद सड़क हादसों पर रोक लगाना और लोगों को यातायात नियमों की जानकारी देना था। पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर के निर्देशन और क्षेत्राधिकारी यातायात रविन्द्र कुमार सिंह के मार्गदर्शन में यातायात प्रभारी मनोज कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने वाहन चालकों और राहगीरों को जागरूक किया। पुलिसकर्मियों ने मालवाहक वाहनों और ट्रैक्टर–ट्रॉलियों में सवारी बैठाकर चलने वाले चालकों को इसके खतरों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि इन वाहनों में यात्रियों को बैठाने से हादसे हो सकते हैं और जान–माल के नुकसान की आशंका रहती है।

काशी, अयोध्या और मथुरा को बम से उड़ाने की धमकीय

खालिस्तान नेशनल आर्मी के नाम से आया ईमेल सुरक्षा एजेंसियां सतर्क

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

वाराणसी। वाराणसी सहित उत्तर प्रदेश के तीन सबसे संवेदनशील धार्मिक और सांस्कृतिक शहरों को बम से दहलाने की एक सनसनीखेज धमकी सामने आई है। बुधवार को श्खालिस्तान नेशनल आर्मी के नाम से वाराणसी नगर निगम और अयोध्या कोर्ट के आधिकारिक ईमेल पर एक धमकी भरा संदेश भेजा गया। इस संदेश में वाराणसी के बनारस हिंदू विश्वविद्यालय , केंद्रीय विद्यालय, सेंट्रल हिंदू स्कूल और नगर निगम मुख्यालय को बम से उड़ाने की सीधी चेतावनी दी गई है। ईमेल में दावा किया गया है कि आगामी 8 नवंबर से 27 नवंबर के बीच इन शहरों में सिलसिलेवार (सीरियल) धमाके किए जाएंगे।

सुरक्षा बलों ने संभाला मोर्चा, सघन चेकिंग अभियान जारी

धमकी भरा इनपुट मिलते ही वाराणसी के पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल के निर्देश पर पूरी कमिश्नरेट पुलिस एक्टिव मोड में आ गई। सिगरा पुलिस, साइबर सेल और बम निरोधक दस्ते (टक्वे) ने डॉग स्क्वॉड के साथ तत्काल चिन्हित स्कूलों और प्रशासनिक कार्यालयों को खाली कराया और घंटों गहन तलाशी अभियान चलाया। हालांकि, राहत की बात यह रही कि प्राथमिक जांच में कोई भी संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई है।

त्योहारों के मद्देनजर बढ़ाई गई चौकसी

चूंकि धमकी में 8 नवंबर को ब्लैक दिवाली बनाने की बात कही गई है, इसलिए त्योहारों के इस सीजन में उमड़ने वाली भारी भीड़ को देखते हुए सुरक्षा चाक–चौबंद कर दी गई है। श्री काशी विश्वनाथ धाम, प्रमुख गंगा घाटों, कैंट रेलवे स्टेशन, बस अड्डों और लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर अतिरिक्त पिकेट फोर्स तैनात कर दी गई है। एलआईयू (स्प्) और अन्य खुफिया एजेंसियां सादे कपड़ों में संदिग्धों पर नजर रख रही हैं।

आईपी एड्रेस खंगाल रही साइबर सेल

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, इस धमकी भरे ईमेल को हल्के में नहीं लिया जा रहा है। साइबर सेल और केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियां ईमेल के डिजिटल फुटप्रिंट, आईपी एड्रेस और सोर्स को ट्रैक करने में जुट गई हैं ताकि यह पता लगाया जा सके कि यह मेल कहाँ से और किसने भेजा है। पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि वे किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें और किसी भी संदिग्ध वस्तु या व्यक्ति को देखने पर तुरंत नजदीकी पुलिस थाने या हेल्पलाइन नंबर पर सूचित करें।

किसानोंको उचित मूल्य और गरीबों को राशन सरकार की प्राथमिकता : मनोज

लखनऊ,संवाददाता। खाद्य एवं रसद मंत्री मनोज कुमार पाण्डेय ने कहा कि किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य, समयबद्ध भुगतान तथा पात्र लाभार्थियों को निर्धारित मात्रा में पूरा राशन उपलब्ध कराना प्रदेश सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में खाद्यान्न खरीद एवं सार्वजनिक वितरण प्रणाली को पारदर्शी, सुगम और जवाबदेह बनाया जा रहा है। सरकार का संकल्प है कि किसान की मेहनत का मूल्य सीधे उसके बैंक खाते में पहुँचे और गरीब के हिस्से का पूरा राशन उसे प्राप्त हो। इन व्यवस्थाओं में अनियमितता, घटतौली अथवा अवैध वसूली पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।श्री पाण्डेय ने कहा कि मुख्यमंत्री की सहमति एवं मार्गदर्शन में धान क्रय नीति का पूर्व वर्ष की भाँति सरलीकरण किया गया है, जिससे किसानों को उपज बेचने में व्यावहारिक एवं प्रक्रियागत कठिनाइयों का सामना न करना पड़े। ऑनलाइन किसान पंजीकरण, भूलेख पोर्टल का ई–उपार्जन पोर्टल से एकीकरण तथा ई–पॉप मशीनों से आधार आधारित बायोमीट्रिक सत्यापन ने खरीद व्यवस्था को सुदृढ़ किया है। इन व्यवस्थाओं से वास्तविक किसानों से सीधे खरीद सुनिश्चित करने और बिचौलियों की भूमिका पर प्रभावी अंकुश लगाने में सहायता मिली है। खाद्य एवं रसद मंत्री ने बताया कि खरीफ विपणन वर्ष 2026–27 में धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य कॉमन श्रेणी के लिए 2,441 तथा ग्रेड–ए के लिए 2,461 प्रति कुन्तल निर्धारित है। प्रदेश में 65 लाख मीट्रिक टन धान खरीद के लक्ष्य के सापेक्ष 5,047 क्रय केन्द्र संचालित हैं। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 12 अक्टूबर तथा पूर्वी उत्तर प्रदेश में 1 नवम्बर से खरीद प्रारम्भ हो चुकी है। अद्यतन 7,230 किसानों से 40,447 मीट्रिक टन धान खरीद कर 50 करोड़ का भुगतान किया गया है। गेहूँ खरीद के माध्यम से भी किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य का व्यापक लाभ उपलब्ध कराया गया है। रबी विपणन वर्ष 2012–13 से 2016–17 तक 19.02 लाख किसानों से 94.38 लाख मीट्रिक टन गेहूँ खरीद कर 12,808.67 करोड़ का भुगतान किया गया था। वहीं, वर्ष 2017–18 से 2026–27 तक 55.89 लाख किसानों से 265.82 लाख मीट्रिक टन गेहूँ खरीद कर 51,550.10 करोड़ का भुगतान किया गया है।खाद्य एवं रसद मंत्री ने कहा कि धान और गेहूँ के साथ श्री अन्न एवं मोटे अनाज उत्पादक किसानों को भी न्यूनतम समर्थन मूल्य का लाभ दिलाया जा रहा है। हाइब्रिड ज्वार का न्यूनतम समर्थन मूल्य 4,023 प्रति कुन्तल निर्धारित है।

खाद्य विभाग ने पांच नमूने-जांच के लिए भेजे,पेड़ा और घी के नमूने लिए

प्रतापगढ़,संवाददाता। जिले में खाद्य सुरक्षा विभाग ने दीपावली अभियान के तहत पांच खाद्य पदार्थों के नमूने जांच के लिए भेजे हैं। विभाग ने 4 और 5 नवंबर 2026 को अलग–अलग दुकानों से ये नमूने लिए। सहायक आयुक्त (खाद्य) ग्रेड–2 अभय कुमार सिंह के निर्देशन में मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी दीपक कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में खाद्य सचल दल ने बाजारों में खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। यह कार्रवाई 'शुद्ध ही शुभ है' अभियान के तहत की गई। विभाग ने खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम–2006 के तहत खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता जांची। मिलावट या मानक के अनुरूप न होने के संदेह पर नमूने लिए गए। कुशहालगंज मांधाता के एटी साहू स्वीट्स से बूंदी के लड्डू, मुंधियामऊ के अवध स्वीट्स एंड फास्ट फूड से कलाकंद और पुलिस लाइन के एक खाद्य प्रतिष्ठान से पेड़ा लिया गया। पृथ्वीगंज रानीगंज के सुरेश किराना स्टोर से अनिक घी और पट्टी के आनंद स्वीट्स से कलाकंद का नमूना लिया गया। पांचों नमूने जांच और विश्लेषण के लिए खाद्य विश्लेषक प्रयोगशाला भेजे जा रहे हैं। रिपोर्ट मिलने के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। कार्रवाई के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारी रोशन सिंह, संतोष कुमार दुबे, यादव संजय कुमार नन्हकू और शामशुन नेहा मौजूद रहे। विभाग ने बताया कि दीपावली के दौरान खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता जांचने का अभियान जारी रहेगा।

मुजाहिद बने राष्ट्रीय लोकदल के महानगर अध्यक्ष

लखनऊ,संवाददाता। राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश मुख्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष ऐश्वर्य राज सिंह ने लखनऊ निवासी मोहम्मद मुजाहिद को लखनऊ महानगर अध्यक्ष की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी।इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष ऐश्वर्य राज सिंह ने विश्वास व्यक्त किया कि मोहम्मद मुजाहिद अपनी सक्रियता एवं संगठनात्मक क्षमता के माध्यम से लखनऊ महानगर में राष्ट्रीय लोकदल के संगठन को और अधिक मजबूत एवं विस्तारित करेंगे। भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह जी की विचारधारा, उनके सिद्धांतों एवं जनकल्याणकारी नीतियों को जन–जन तक पहुंचाना का कार्य करेंगे।उन्होंने आशा व्यक्त की कि मोहम्मद मुजाहिद राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री चौधरी जयंत सिंह के कुशल नेतृत्व में पार्टी की नीतियों और विचारधारा को आगे बढ़ाते हुए राष्ट्रीय लोकदल की आवाज को मजबूती से बुलंद करेंगे।

दीपोत्सव में गूंजेगा राम भजन और राम नाद

लखनऊ,संवाददाता। अयोध्या में आयोजित होने वाले दीपोत्सव–2026 में राम भजन और राम नाद की गूंज सुनाई देगी। भजन गायक एवं लखनऊ नगर निगम में जोनल अधिकारी मनोज कुमार यादव को दीपोत्सव के भव्य आयोजन में प्रस्तुति देने के लिए पुनः आमंत्रित किया गया है। इस बार उनके कार्यक्रम में पारंपरिक राम भजनों के साथ विशेष रूप से राम नाद की प्रस्तुति भी शामिल होगी।राम नाद एक ऐसी सामूहिक भक्ति प्रस्तुति है, श्रोता भी एक लय और स्वर में श्रीराम के नाम का उद्घोष करते हैं।

संजय निषाद से मिलने उनके घर पहुंचे नितिन नबीन

लखनऊ,संवाददाता। बीजेपी अपने सहयोगी दलों का खास खयाल रखती है। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने गुरुवार को निषाद पार्टी



के राष्ट्रीय अध्यक्ष व प्रदेश के कैबिनेट मंत्री डॉ संजय निषाद से गोरखपुर में उनके निवास पर भेंट की। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी तथा प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह मौजूद रहे।भाजपा के एक सीनियर लीडर ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है। उसकी सोच और विचारधारा भी बड़ी है। हम अपने सहयोगियों के साथ हमेशा खड़े रहते हैं और इसी का नतीजा है कि सतत जीत दर्ज करते आ रहे हैं। दोनों नेताओं के बीच वर्तमान सियासी हालात और भावी रणनीति पर चर्चा हुई।

लखनऊ में डेंगू का डंक तेज

24 नए मरीजों में पुष्टि इंदिरानगर, चंदरनगर और एनके रोड बने बड़े हॉटस्पॉट

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

लखनऊ। राजधानी में डेंगू का हमला लगातार तेज होता जा रहा है, जिससे स्वास्थ्य महकमे में हड़कंप मचा है। शहर के अलग–अलग इलाकों से हर दिन संक्रमण के नए मामले सामने आ रहे हैं। गुरुवार को स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, राजधानी में डेंगू के 24 नए मरीजों की पुष्टि हुई है। इनमें इंदिरानगर, चंदरनगर और एनके रोड इलाके सबसे ज्यादा प्रभावित पाए गए हैं।

स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, गुरुवार को मिले मरीजों में सबसे अधिक मामले इंदिरानगर, चंदरनगर और एनके रोड से सामने आए, जहां 5–5 लोगों में डेंगू की पुष्टि हुई है। इसके अलावा अलीगंज में चार, सरोजनीनगर में दो तथा टूडियागंज, गुडंबा और बीकेटी (बख्शी का तालाब) में 1–1 मरीज मिला है। सभी संक्रमितों का स्थानीय डॉक्टरों की देखरेख में इलाज और काउंसलिंग की जा रही है।

लगातार बढ़ रहे मामलों को देखते हुए मुख्य चिकित्साधिकारी ने प्रभावित इलाकों में फॉगिंग और एंटी–लार्वा छिड़काव को तेज करने के निर्देश दिए हैं। स्वास्थ्य टीमों द्वारा घर–घर जाकर सर्वे किया जा रहा है, ताकि मच्छरों के पनपने के स्रोतों को नष्ट किया जा सके। इसके साथ ही प्रशासन ने आम जनता से अपील की है कि वे अपने घरों के आसपास, कूलर, गमलों और टंकियों में पानी जमा न होने दें और बुखार आने पर तुरंत नजदीकी सरकारी अस्पताल में डॉक्टर से संपर्क करें।

वाराणसी में 150 करोड़ के निवेश से अरविंद लिमिटेड की टेक्सटाइल यूनिट शुरू, 1,000 युवाओं को मिलेगा रोजगार

इन्वेस्ट यूपी के समन्वय से महज 21 दिनों में मिलीं एनओसी

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश की निवेशक–अनुकूल नीतियों और त्वरित औद्योगिक सुविधाओं का लाभ उठाते हुए अहमदाबाद स्थित टेक्सटाइल दिग्गज 'अरविंद लिमिटेड' ने वाराणसी में 150 करोड़ की लागत से अत्याधुनिक टेक्सटाइल विनिर्माण इकाई स्थापित की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा हाल ही में उद्घाटन की गई खोजवां स्थित 6 एकड़ में फैली यह इकाई लगभग 1,000 लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित करेगी। इन्वेस्ट यूपी द्वारा की गई प्रभावी हैंडहोल्डिंग और अंतर–विभागीय समन्वय के बल पर इस परियोजना को महज 21 दिनों के भीतर सभी आवश्यक वैधानिक मंजूरियां और एनओसी प्रदान की गईं। इकाई में 300 से अधिक महिलाओं की भर्ती कर उनका प्रशिक्षण शुरू कर दिया गया है, जहाँ अंतरराष्ट्रीय ब्रांड्स के लिए स्पोर्ट्सवियर और इनरवेयर का निर्माण होगा।नई इकाई में अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रमुख ब्रांडों के लिए स्पोर्ट्सवियर और इनरवेयर का निर्माण किया जाएगा। इससे वाराणसी और पूर्वांचल में टेक्सटाइल एवं गारमेंट मैन्युफैक्चरिंग की संभावनाओं को बढ़ावा मिलेगा। यह परियोजना उत्तर प्रदेश में निवेश प्रस्तावों को समयबद्ध तरीके से धरातल पर उतारने और औद्योगिक विकास को गति देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।



समर्पित निवेशक हैंडहोल्डिंग से धरातल पर उतरा निवेशय ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' का उत्कृष्ट उदाहरण बनी वाराणसी की टेक्सटाइल परियोजना इस परियोजना को गति देने में इन्वेस्ट यूपी ने सिंगल–विंडो समन्वय एजेंसी और निवेशक सुविधा भागीदार के रूप में अहम भूमिका निभाई। कंपनी, वाराणसी जिला प्रशासन और संबंधित विभागों के बीच निरंतर समन्वय स्थापित कर वैधानिक प्रक्रियाओं को सरल बनाया गया तथा लंबित मुद्दों का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया गया। वाराणसी जिला प्रशासन ने भूमि संबंधी मामलों और आवश्यक वैधानिक अनुमतियों के निस्तारण में सक्रिय सहयोग दिया। इसके तहत भूमि विनिमय से जुड़े मुद्दे का समाधान, उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता की धारा 80 के अंतर्गत अनुमति प्राप्त करने में तेजी और भूजल अनापत्ति प्रमापपत्र के लिए जिला एवं राज्य स्तरीय अधिकारियों के साथ समन्वय किया गया। इन्वेस्ट यूपी के निरंतर फॉलो–अप और अंतर–विभागीय समन्वय के परिणामस्वरूप लगभग 21 दिनों के भीतर प्रमुख स्वीकृतियां और वैधानिक मंजूरियां प्राप्त की गईं। इनमें उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से कंसेंट टू एस्टेब्लिश और कंसेंट टू ऑपरेट फायर एनओसी, भूजल एनओसी, धारा 80 के तहत अनुमति, श्रम विभाग से फैक्ट्री पंजीकरण तथा जिला पंचायत वाराणसी से भवन मानचित्र की स्वीकृति शामिल हैं।कई विभागों और वैधानिक प्राधिकरणों से जुड़ी प्रक्रियाओं के बावजूद समर्पित निगरानी, नियमित फॉलो–अप और समयबद्ध हस्तक्षेप से प्रक्रियात्मक देरी कम हुई और परियोजना को तेजी से क्रियान्वित करने में मदद मिली।

पुराने लखनऊ के मोहल्लों में नाली सफाई और शिल्ट उठान

लखनऊ,संवाददाता। जोन–6 में आचार्य नरेंद्र देव वार्ड के अब्दुल अजीज रोड, हुसैनाबाद के अलमास रोड, दौलतगंज के काशी विहार, मल्लाही टोला–2 के प्रोफेसर कॉलोनी, मल्लाही टोला–1 के शांति नगर, बालागंज के जल निगम रोड और लालजी रोंडन के जेटा रोड पर सफाई कराई गई। केंप्मपी–2 के अलमास बाग, केंप्मपी–1 के बरौरा हुसैन बाडी, गढ़ी पीर खां के पारस लॉन, अम्बरगंज के वजीर बाग, कल्बे आबिद के कश्मीरी मोहल्ला रोड और कश्मीरी मोहल्ला के नूर बाड़ी में भी सफाई अभियान चलाया गया। भवानीगंज के दीनदयाल रोड बालदा, शीतला देवी के एलडीए पार्ट–2, आलमनगर के पारा रोड एवं देवपुर पारा रोड, शादतगंज के नवीन नगर, चौक के गोल दरवाजा सराफा, हैदरगंज प्रथम के लकड़ मंडी, हैदरगंज द्वितीय के प्रभातपुरम, हैदरगंज तृतीय के हंस नगर और कल्याण सिंह वार्ड के सरसैना में भी नालियों की सफाई, कूड़ा उठान और शिल्ट हटाने का कार्य कराया गया। लाल बहादुर शास्त्री प्रथम वार्ड के बी–ब्लॉक कॉलोनी, मतादीन वाल्मीकि चौक से बंधे तक और लवकुश नगर–सी में सफाई कराई गई। इंदिरा प्रियदर्शिनी वार्ड के चांदन मेन रोड, ओंकार पुरम और सरन बिहार कॉलोनी में भी सफाई कार्य किया गया।इसके अलावा इस्माइलगंज द्वितीय वार्ड के गणेशपुर गांव और गणेशपुर सांस्कृतिक परिसर, बाबू जगजीवन राम वार्ड के सेक्टर–14 अर्वतिपुरम गांव, शहीद भगत सिंह प्रथम वार्ड की बुद्ध विहार कॉलोनी तकरोही, मैथिलीशरण गुप्त वार्ड के रैन बसेरे के मोड़ और बी–1971 वाली गली में सफाई कराई गई। शंकरपुरवा प्रथम वार्ड में नाली सफाई, इस्माइलगंज प्रथम वार्ड के हरिहर नगर तथा इंदिरा नगर वार्ड के इस्माइलगंज गांव में भी अभियान चलाया गया। इस जोन में किए गए कार्यों की स्थलवार तस्वीरों के माध्यम से मॉनिटरिंग की गई। विद्यावती प्रथम वार्ड के सेक्टर–ए, विद्यावती द्वितीय के शक्ति चौराहा पावर हाउस और विद्यावती तृतीय के सेक्टर–आई में सफाई कराई गई। राजा बिजली पासी प्रथम वार्ड के अंसल सिटी पार्किंग नंबर–2 और राजा बिजली पासी द्वितीय के मीरानपुर रहिमाबाद में भी विशेष सफाई अभियान चलाया गया।इब्राहिमपुर प्रथम के शाहपुर कॉलोनी, इब्राहिमपुर द्वितीय के ईश्वरी खेड़ा सेक्टर–4, खरिका द्वितीय के सेक्टर–6बी एवं 5ई, शारदा नगर द्वितीय के साउथ सिटी, श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी वार्ड की गीता विहार कॉलोनी, हिंद नगर के सेक्टर–सी।। बल्दी खेड़ा, शारदा नगर प्रथम के रश्मिखंड एन्डिको–1 और खरिका प्रथम के सुभाती खेड़ा में सफाई कार्य कराया गया।

मरीजों एवं तीमारदारों की निःस्वार्थ सेवा करने वाले अस्पतालों के कार्मिकों को सम्मान

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश में मरीजों एवं तीमारदारों के सहायतार्थ काम करने वाली संस्था 'धन्वन्तरि सेवा न्यास'ने आज इस पूरे सामाजिक कार्य को सफलता के साथ सम्पन्न कराने वाले अस्पतालों के कर्मचारियों को सम्मानित किया। तेलीबाग स्थित परिकल्प भवन में कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मानवेन्द्र सिंह सभापति विधान परिषद एवं स्वतंत्र देव सिंह कैबिनेट मंत्री की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ।इस मौके पर समाज सेवा जैसे नेक कार्य को करने वाली विभिन्न सरकारी अस्पतालों के कर्मचारियों को सम्मानित करते हुए मुख्य अतिथि मानवेन्द्र सिंह सभापति विधान परिषद ने कहा कि मानव सेवा ही ईश्वर की सच्ची सेवा है और उस वक्त जब व्यक्ति आत्म केन्द्रित हो जा रहा उस दौरान जो अस्पतालों में इलाज कराते हुए मरीज और उनके तीमारदारों के कष्ट और परेशानी को कम करने के लिए निःस्वार्थ भाव से तत्पर रहते हैं

संपादकीय

आबादी पर नई दृष्टि

आज देश में प्रजनन दर में गिरावट दर्ज की जा रही है। इसी बाबत सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि दो से अधिक बच्चों वाले व्यक्ति को चुनाव लड़ने से अयोग्य ठहराने वाली नीति से जुड़े कानून की प्रासंगिकता अब खत्म हो गई है। अदालत ने माना कि देश में जनसांख्यिकीय बदलावों के कारण ऐसे प्रतिबंध को लेकर दिये जाने वाले तर्क अब बेमाने हो गए हैं। कोर्ट ने इस टिप्पणी के साथ ही 'जावेद बनाम हरियाणा राज्य' (2003) मामले को एक बड़ी बेंच के पास भेज दिया है। दरअसल, इस मामले में तीन जजों की बेंच ने हरियाणा पंचायती राज अधिनियम–1994 की संवैधानिक वैधता को बरकरार रखा था। जिसमें दो से अधिक बच्चे होने पर उम्मीदवार को स्थानीय निकाय चुनाव लड़ने के लिये अयोग्य घोषित किया गया था। निस्संदेह, सुप्रीम कोर्ट की दो बच्चों के नियम पर यह टिप्पणी दुनिया के सबसे अधिक जनसंख्या वाले देश के लिये एक उपयुक्त समय पर आई है। देश की मौजूदा बदलती जनसांख्यिकीय तस्वीर दर्शाती है कि अब वे कानून पुराने व प्रतिकूल हो चुके हैं, जो जनसंख्या वृद्धि को रोकने के लिये जनप्रतिनिधियों को स्थानीय चुनाव में हिस्सा लेने से रोकते थे। उल्लेखनीय है कि जब कोर्ट ने 'जावेद बनाम हरियाणा राज्य'(2003) के मामले में दो बच्चों के नियम की वैधता को मान्यता दी थी, उस समय भारत की प्रजनन दर लगभग तीन थी। जबकि आज यह घटकर 1.9 हो गई है, जो प्रतिस्थापन दर 2.1 से कम है। सही मायने में इस बदलाव में हमारी वास्तविक सामाजिक स्थिति का अक्स उभरता है। मसलन बढ़ती साक्षरता, शहरीकरण का विस्तार, स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार और परिवार नियोजन के उपायों के प्रति समाज में जागरूकता में वृद्धि आदि। अदालत ने महाराष्ट्र के एक पूर्व सरपंच की अयोग्यता को भी रद्द कर दिया है, जिन्हें अपने तीसरे बच्चे के जन्म के बाद चुनाव लड़ने से रोक दिया गया था। इससे जुड़े संवैधानिक प्रश्न के समाधान के लिये मामले को बड़ी बेंच को भेज दिया है। सही मायने में सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी दर्शाती है कि जनसंख्या नीति और मौलिक अधिकारों के बीच पर्याप्त संतुलन बनाना जरूरी है। यानी दो बच्चों से ज्यादा होने पर किसी को सार्वजनिक सेवा करने से रोकना तार्किक नहीं होगा। दूसरे शब्दों में ऐसे लोगों के चुनाव लड़ने के हक को रोकना पारिवारिक विकल्पों के आधार पर लोकतांत्रिक भागीदारी को सीमित करने जैसा होगा। यानी यह कानून अनुच्छेद 21 अर्थात जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता संरक्षण के तहत प्रजनन स्वायत्तता पर गंभीर सवाल उठाता है। यहां यह उल्लेखनीय है कि आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, राजस्थान व हरियाणा आदि ने पहले ही इस प्रतिबंध को हटा दिया है। इन राज्यों का मानना था कि देश में फिलहाल जनसांख्यिकीय परिस्थितियां बदल चुकी हैं। वास्तव में अन्य राज्यों को भी इस तरह के प्रावधानों पर पुनर्विचार करना चाहिए। इस बाबत कोर्ट का मानना था कि मौजूदा कानून राजनीतिक अधिकारों से वंचित करता है। यह भी कि ज्यादा बच्चे होने पर चुनाव लड़ने से रोकने वाला यह कानून नागरिकों के वर्ग को राजनीतिक प्रतिनिधित्व से बाहर कर देता है। सही मायने में इसका किसी व्यक्ति की सार्वजनिक पद संभालने की क्षमता से कोई खास संबंध नहीं है। उल्लेखनीय है कि भारत में मौजूदा जन्मदर 1.9 है, जबकि प्रतिस्थापन दर 2.1 होनी चाहिए। जिसका मतलब है कि कम प्रजनन के चलते एक पीढ़ी की जगह अगली पीढ़ी पूरी तरह नहीं ले पायेगी। जिसका अर्थ यह है कि बुजुर्गों की आबादी बढ़ने से कामकाजी लोगों की संख्या कम हो सकती है। यदि हमने इन बदलावों को नजरअंदाज किया तो देश के विकास में नकारात्मक प्रभाव सामने आ सकते हैं। हमें यह ध्यान रखना चाहिए कि घटती जन्मदर अंततः बुजुर्गों की आबादी बढ़ाने, कार्यबल में गिरावट और देश की सामाजिक सुरक्षा प्रणाली व स्वास्थ्य सेवाओं पर दबाव बना सकती है।

लक्ष्मी मैया को लाइव लोकेशन भेजने की होड़!

दिवाली पर हर मन में एक ही भाव हैकृहे मैया! इस बार रास्ता मत भूल जाना, सीधा हमारे घर आना। कोई सोचता होगा कि काश! मैया को अपनी लाइव लोकेशन भेजने की सुविधा होती। कोई सोचता हैकृमैया, इस बार लोकेशन के साथ यूपीआई नंबर भी भेज दूं क्या।

दिवाली आते ही घरों और बाजारों में रोशनी की ऐसी सजावट शुरू हो जाती है, मानो लक्ष्मी मैया को रास्ता बताने के लिए पूरा शहर ही एयरपोर्ट का रनवे बना दिया हो। लक्ष्मी मैया का इंतजार यूं हो रहा है, जैसे बैंक का मैनेजर खुद चेक लेकर घर आ रहा हो। हमें तो लक्ष्मी मैया से इतना ही कहना हैकृकेवल घरों की लाइटिंग देखकर मत जाना, अंदर का हिसाब–किताब भी देख लेना। उनके बहीखातों की कोड भाषा भी पढ़ना। जिनके घर पहले से धन की बरसात हो रही है, उन्हें थोड़ा विवेक भी दे देना।

दिवाली पर हर मन में एक ही भाव हैकृहे मैया! इस बार रास्ता मत भूल जाना, सीधा हमारे घर आना। कोई सोचता होगा कि काश! मैया को अपनी लाइव लोकेशन भेजने की सुविधा होती। कोई सोचता हैकृमैया, इस बार लोकेशन के साथ यूपीआई नंबर भी भेज दूं क्या, ताकि आते ही सीधे खाते में कृपा ट्रांसफर कर सको। और लक्ष्मीजी सोचती होंगी, किसके घर जाऊं? किसी को टैक्स फ्री कमाई चाहिए, किसी को पड़ोसी से ज्यादा दौलत, किसी को बिना पसीना बहाए।

एक बात आज तक समझ नहीं आई कि लक्ष्मीजी का रामजी के अयोध्या लौटने से आखिर क्या कनेक्शन है? रामजी तो चौदह साल का वनवास काटकर लौटे थे। हो सकता है, उनके वन जाने के बाद अयोध्या का कारोबार चौपट हो गया हो। चौदह साल तक बाजार में मंदी छाई रही हो, दुकानों पर ग्राहक गायब और खजाने में कंगाली का आलम रहा हो। फिर रामजी लौटे तो अयोध्या की अर्थव्यवस्था ने भी करवट ली और लक्ष्मीजी का आगमन हुआ! तभी से लोगों ने रामजी के स्वागत में दीप जलाने और लक्ष्मीजी को बुलाने का संयुक्त अभियान चला दिया।

प्रभु जी के मन में आता होगा कि अब अयोध्या में इतना प्रदूषण हो गया है कि वापस वन जाने में भलाई है। लक्ष्मीजी सोचती होंगी कि किस घर में जाऊं? एक ताऊ ने तो साफ कह दियाकृभाई, लक्ष्मी मैया ने बुलाण खात्तर इतनी लाइटां जला राखी सैं, पर घर का बिजली बिल देख कै तो लक्ष्मी आप्पे उल्टे पांव भाग ज्यागी!

लक्ष्मीजी को बुलाने के लिए दरवाजे खुले रखे जाते हैं, लेकिन उधार मांगने वाला कोई जरूरतमंद दरवाजे पर आ जाए तो भीतर से आवाज आती है घर पै कोए कोनी!

धन्वन्तरि जयंती एवं आयुर्वेद दिवस पर विशेष आलेख

जीवन को स्वस्थ और निरोग रखने की प्राचीन भारतीय चिकित्सा पद्धति : आयुर्वेद

सुनील कुमार वाजपेयी शिवम

भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा में आयुर्वेद का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण है। आयुर्वेद केवल रोगों के उपचार की चिकित्सा पद्धति नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन जीने की एक संपूर्ण जीवनशैली है। यह शरीर, मन और आत्मा के बीच संतुलन स्थापित करते हुए मनुष्य को प्रकृति के अनुरूप जीवन जीने की प्रेरणा देता है। भारतीय संस्कृति में आयुर्वेद को जीवन का विज्ञान माना गया है। इसी महान चिकित्सा परंपरा के सम्मान और प्रचार–प्रसार के लिए धन्वन्तरि जयंती को राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के रूप में मनाया जाता है।

भगवान धन्वन्तरि और आयुर्वेद का संबंध य पौराणिक मान्यताओं के अनुसार समुद्र मंथन के समय भगवान धन्वन्तरि अमृत कलश लेकर प्रकट हुए थे। उन्हें देवताओं का वैद्य तथा आयुर्वेद का प्रवर्तक माना जाता है। भगवान विष्णु के अवतार माने जाने वाले धन्वन्तरि को आरोग्य, स्वास्थ्य और दीर्घायु का प्रतीक माना जाता है। धनतेरस का पर्व भी भगवान धन्वन्तरि की जयंती से जुड़ा हुआ है। कार्तिक कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी को उनकी पूजा की जाती है। इसी दिन राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस मनाया जाता है। भारत सरकार ने वर्ष 2016 में धन्वन्तरि जयंती को राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के रूप में मनाने की शुरुआत की थी। इसका उद्देश्य आयुर्वेद के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना तथा इस चिकित्सा पद्धति को जन–जन तक पहुंचाना है। क्या है आयुर्वेद? आयुर्वेद शब्द दो संस्कृत शब्दों से मिलकर बना है, आयु और वेद। आयु का अर्थ जीवन तथा वेद का अर्थ ज्ञान है। अर्थात आयुर्वेद जीवन का ज्ञान है।आयुर्वेद का मूल उद्देश्य स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा करना और रोगी व्यक्ति के रोग का उपचार करना है। इसकी चिकित्सा पद्धति में शरीर की प्रकृति, खानपान, दिनचर्या, ऋतुचर्या, मानसिक स्थिति तथा वातावरण को विशेष महत्व दिया जाता है। आयुर्वेद के अनुसार मनुष्य का शरीर पांच महाभूतों य पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश से निर्मित है। शरीर में वात, पित्त और कफ नामक तीन दोषों का संतुलन स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है। वात दोष यानि कि शरीर की गति, श्वास, स्नायु तंत्र तथा गतिविधियों को नियंत्रित करने से संबंधित है। पित्त दोष पाचन, चयापचय और शरीर के तापमान के नियमन से संबंधित है। तथा कफ दोष शरीर की संरचना, स्थिरता, चिकनाई और प्रतिरोधक क्षमता से संबंधित है। इन तीनों दोषों का असंतुलन विभिन्न प्रकार की शारीरिक समस्याओं का कारण बन सकता है। आयुर्वेद शरीर की प्रकृति के अनुरूप उपचार और जीवनशैली अपनाने पर बल देता है। भारतीय आयुर्वेदिक परंपरा अत्यंत समृद्ध रही है। इसके विकास में अनेक ऋषियों और विद्वानों तथा पुस्तकों का योगदान रहा है। जो प्रमुखतः हैं उनमें चरक संहिता य आचार्य चरक द्वारा रचित यह ग्रंथ मुख्यतः काय चिकित्सा अर्थात आंतरिक रोगों के उपचार से संबंधित है। सुश्रुत संहिता य आचार्य सुश्रुत को शल्य चिकित्सा का जनक माना जाता है। इस ग्रंथ में शल्य चिकित्सा, शारीरिक संरचना और शल्य उपकरणों का विस्तृत वर्णन मिलता है। अष्टांग हृदयम् य आचार्य वाग्भट द्वारा रचित यह ग्रंथ आयुर्वेद के सिद्धांतों और चिकित्सा पद्धतियों का महत्वपूर्ण संकलन है।आयुर्वेद की आठ प्रमुख शाखाएं मानी गई हैं। काय चिकित्सा, शल्य तंत्र, शालाक्य तंत्र, कौमारभृत्य, अगद तंत्र, भूत विद्या, रसायन तंत्र और वाजीकरण तंत्र। आयुर्वेद में औषधियों की महत्व भूमिका है। भारत की वनस्पति संपदा आयुर्वेद की महत्वपूर्ण आधारशिला है। यहां अनेक ऐसी



जड़ी–बूटियां उपलब्ध हैं जिनका पारंपरिक चिकित्सा में उपयोग होता आया है। तुलसी, नीम, आंवला, अश्वगंधा, गिलोय, हल्दी, अदरक, ब्राह्मी और मुलेठी जैसी वनस्पतियां आयुर्वेदिक औषधियों में महत्वपूर्ण स्थान रखती हैं। इनका उपयोग विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं में किया जाता है। हालांकि प्रत्येक औषधि का प्रभाव व्यक्ति की प्रकृति, मात्रा, रोग और स्वास्थ्य स्थिति पर निर्भर करता है। इसलिए औषधियों का सेवन योग्य आयुर्वेद चिकित्सक की सलाह से ही करना चाहिए। प्राकृतिक होने का अर्थ यह नहीं कि कोई पदार्थ पूरी तरह जोखिममुक्त है। आयुर्वेद में दिनचर्या और ऋतुचर्या का भी अति महत्व है। आयुर्वेद केवल औषधियों पर निर्भर नहीं करता, बल्कि नियमित और अनुशासित जीवनशैली को भी स्वस्थ रहने का आधार मानता है।इसमें प्रातःकाल उठना, स्वच्छता, योग, प्राणायाम, संतुलित भोजन, पर्याप्त नींद और नियमित शारीरिक गतिविधियों को महत्व दिया गया है। ऋतुचर्या के अंतर्गत अलग–अलग मौसम के अनुसार खानपान और रहन–सहन में बदलाव करने की सलाह दी जाती है। गर्मियों में शरीर को जलयुक्त रखना, वर्षा ऋतु में स्वच्छ और सुपाच्य भोजन करना तथा सर्दियों में शरीर की आवश्यकता के अनुसार पौष्टिक आहार लेना इसके उदाहरण हैं। आयुर्वेद में भोजन को औषधि के समान महत्व दिया गया है। संतुलित आहार, उचित मात्रा और सही समय पर भोजन करना अच्छे स्वास्थ्य के लिए आवश्यक माना गया है। आधुनिक युग में आयुर्वेद की प्रासंगिकता बराबर मानव जीवन में है। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में तनाव, अनियमित दिनचर्या, मोटापा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप और नींद संबंधी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। ऐसे समय में आयुर्वेद की जीवनशैली संबंधी शिक्षाएं विशेष महत्व रखती हैं। योग, ध्यान, उचित आहार, नियमित दिनचर्या और मानसिक संतुलन जैसे उपाय स्वस्थ जीवन को प्रोत्साहित करते हैं। विश्वभर में भी पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों और समग्र स्वास्थ्य की अवधारणा के प्रति रुचि बढ़ी है।भारत सरकार ने आयुष मंत्रालय की स्थापना करके आयुर्वेद सहित पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों के विकास, शिक्षा, अनुसंधान और प्रचार–प्रसार को प्रोत्साहित किया है। आयुर्वेदिक चिकित्सा संस्थानों, औषधि निर्माण, अनुसंधान तथा औषधीय पौधों की खेती को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। हालांकि आधुनिक चिकित्सा विज्ञान की उपलब्धियों को नकारना उचित नहीं है। गंभीर और आपातकालीन रोगों में प्रमाणित आधुनिक चिकित्सा का उपचार आवश्यक है। आयुर्वेदिक औषधियों का उपयोग भी वैज्ञानिक प्रमाणों, चिकित्सकीय परामर्श और गुणवत्ता मानकों के अनुरूप होना चाहिए। बिना सलाह के निर्धारित दवाएं बंद करना या गंभीर रोगों का उपचार केवल घरेलू नुस्खों से करना खतरनाक हो सकता है। आयुर्वेद की लोकप्रियता बढ़ने के साथ इसके सामने कुछ चुनौतियां भी हैं। बाजार में मिलावटी और घटिया गुणवत्ता वाली औषधियों की उपलब्धता, बिना वैज्ञानिक प्रमाण के चमत्कारी उपचार के दावे, अप्रमाणित विज्ञापन तथा प्रशिक्षित चिकित्सकों की कमी जैसी समस्याओं पर ध्यान देना आवश्यक है। इसके अतिरिक्त आयुर्वेदिक औषधियों पर उच्चस्तरीय वैज्ञानिक अनुसंधान, औषधियों की गुणवत्ता की जांच, औषधीय पौधों का संरक्षण और पारंपरिक ज्ञान का दस्तावेजीकरण भी जरूरी है।अंतिम निष्कर्ष यह कि धन्वन्तरि जयंती केवल एक धार्मिक अथवा सांस्कृतिक पर्व नहीं, बल्कि भारतीय चिकित्सा परंपरा, स्वास्थ्य चेतना और जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण का उत्सव है। आयुर्वेद हमें सिखाता है कि स्वास्थ्य केवल रोगों से मुक्त रहने का नाम नहीं, बल्कि शारीरिक, मानसिक और सामाजिक संतुलन की अवस्था है। आज आवश्यकता है कि हम आयुर्वेद की प्राचीन ज्ञान परंपरा को आधुनिक वैज्ञानिक अनुसंधान के साथ जोड़ें। अंधविश्वास और अतिशयोक्तिपूर्ण दावों से दूर रहकर इसके उपयोगी सिद्धांतों को अपनाएं। भगवान धन्वन्तरि की आराधना का वास्तविक संदेश भी यही है कि प्रत्येक व्यक्ति स्वस्थ रहे, समाज निरोग बने और चिकित्सा ज्ञान का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे।निरोगी काया ही जीवन की सबसे बड़ी संपदा है और स्वास्थ्य संरक्षण ही सच्चे अर्थों में सुखी एवं समृद्ध समाज की आधारशिला है।

प्रदूषण मामलों में आपराधिक कानून के तहत हो कार्रवाई

केवल प्रसाद

बड़ी कंपनियां जब प्रदूषणकारी गतिविधियां अंजाम देती हैं तो अकसर जुर्माना लगाकर मामले निपटा दिये जाते हैं। लेकिन कार्पोरेट पर्यावरण जवाबदेही यकीनी बनाने को आर्थिक दंड पर्याप्त नहीं।

हर साल सर्दी की दस्तक के साथ ही देश के बड़े हिस्से, खासकर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और उत्तरी भारत में हवा जहरीली होने लगती है। एक्यूआई का स्तर 400 और 500 के आंकड़े पार कर जाता है। इसका बड़ा कारण औद्योगिक इकाइयों द्वारा किया जाने वाला उत्सर्जन और बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स द्वारा उड़ाई जाने वाली धूल है।सवाल है कि क्या केवल कुछ लाख रुपये का जुर्माना लगाकर इतने बड़े पैमाने पर लोगों के फेफड़ों को नुकसान पहुंचाने की इजाजत दी जा सकती है? दरअसल, जब उत्सर्जन मानकों का उल्लंघन जानबूझकर और लगातार किया जाए, तो इसे केवल प्रशासनिक लापरवाही न मानकर कॉर्पोरेट पर्यावरण अपराध की श्रेणी में दर्ज किया जाए।

भारतीय कानूनी ढांचे में हवा को साफ रखने के लिए कड़े प्रावधान मौजूद हैं। वायु (प्रदूषण निवारण और नियंत्रण) अधिनियम, 1981 की धारा 37 से लेकर 40 तक व्यवस्था करती है कि यदि कोई कंपनी या औद्योगिक इकाई तय मानकों का उल्लंघन करती है, तो उसके लिए जिम्मेदार डायरेक्टर्स, बोर्ड मेंबर्स और शीर्ष प्रबंधन को व्यक्तिगत रूप से आपराधिक तौर पर जवाबदेह ठहराया जा सकता है। धारा 37 के तहत पांच से सात साल तक की जेल का प्रावधान है, वहीं धारा 40 सुनिश्चित करती है कि कंपनी के शीर्ष अधिकारी जिम्मेदारी से यह कहकर नहीं बच सकते कि उन्हें उल्लंघन की जानकारी नहीं थी।

इसके बावजूद, हकीकत में इन धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज होना या किसी कॉर्पोरेट प्रमुख का जेल जाना बेहद दुर्लभ है। अधिकांश मामलों में प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) सिर्फ आर्थिक दंड लगाकर मामले निपटा देते हैं। एनजीटी द्वारा लागू 'पॉल्यूटर पे प्रिंसिपल' सैद्धांतिक रूप से मजबूत होने के बावजूद व्यवहार में कॉर्पोरेट्स के लिए आसान रास्ता बन गया है, क्योंकि बड़ी कंपनियां पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने के बाद जुर्माने की रकम को व्यापारिक खर्च या लाइसेंस लागत मानकर आसानी से चुका देती हैं। इसलिए इस सिद्धांत को सख्त आपराधिक न्यायशास्त्र से जोड़ने की जरूरत है।

भारतीय न्यायपालिका ने



समय–समय पर पर्यावरण संरक्षण को लेकर ऐतिहासिक निर्णय दिए हैं, जिन्होंने इस क्षेत्र में कानूनी नजीर पेश की। एमसी मेहता बनाम भारत संघ (1987) के प्रसिद्ध ओलियम गैस लीक मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने 'एब्सोल्यूट लायबिलिटी' सिद्धांत प्रतिपादित किया था। अदालत ने कहा था कि प्रिकॉशनरी प्रिंसिपल और पॉल्यूटर पे प्रिंसिपल को भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 यानी जीवन के अधिकार का अभिन्न हिस्सा घोषित किया था।

कई विकसित देशों ने पर्यावरणीय क्षति को गंभीर आपराधिक कृत्य माना है। यूरोपीय संघ का एनवायरनमेंटल क्राइम डायरेक्टिव पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाले कृत्यों को आपराधिक श्रेणी में रखता है, जहां कंपनियों पर न केवल उनकी वैश्विक कमाई का भारी हिस्सा जुर्माने के रूप में लगाया जाता है, बल्कि जिम्मेदार अधिकारियों को लंबी जेल की सजा भी दी जाती है। विचारणीय यह कि कॉर्पोरेट पर्यावरण अपराधों का प्रभाव किसी एक व्यक्ति पर नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के स्वास्थ्य पर पड़ता है। जब कोई कंपनी जानबूझकर प्रदूषण नियंत्रण उपकरणों को बंद कर देती है या कचरा खुले में बहाती है, तो वह एक तरह से धीमी गति का जनसंहार कर रही होती है। कॉर्पोरेट क्राइम की इस अनूठी प्रकृति को समझते हुए कानूनी ढांचे में फेरबदल करने की सख्त दरकार है। वायु प्रदूषण से निपटने को आधुनिक कानूनी और तकनीकी उपाय जरूरी हैं। इसके तहत पहला प्रमुख सुझाव वायु अधिनियम, 1981 (धारा 37–40) के कड़े प्रवर्तन के लिए विशेष 'कॉरपोरेट एनवायरनमेंटल प्रॉसीक्यूशन सेल' गठित करने, राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों को एफआईआर दर्ज कराने के लिए बाध्यकारी बनाने तथा बार–बार उल्लंघन करने वाली कंपनियों की व्यावसायिक इकाइयों को पूरी तरह बंद करने ('कॉरपोरेट डेथ पेनल्टी') का है। दूसरे समाधान के रूप में रीयल–टाइम डेटा मॉनिटरिंग और फॉरेंसिक एनवायरनमेंटल ऑडिट को कानूनन अनिवार्य करने की बात कही गई है, जिसमें औद्योगिक इकाइयों के ऑटोमेटेड सेंसर उत्सर्जन सीमा पार होते ही स्वतः नोटिस जारी करेंगे और आपराधिक जांच शुरू होगी। तीसरे सुझाव मेंएनजीटी और आपराधिक अदालतों के बीच बेहतर समन्वय की वकालत की गई है, ताकि भारी जुर्माना लगाने के साथ ही जिम्मेदार कॉर्पोरेट अधिकारियों पर मुकदमा चलाने के लिए मामले को सीधे संबंधित मजिस्ट्रेट कोर्ट में हस्तांतरित किया जा सके। जब कॉर्पोरेट मुनाफे की होड़ में निर्दोष नागरिकों की सांसों का सौदा होने लगे, तो कानून को मूकदर्शक बनकर केवल कागजी जुर्माने नहीं ठोकने चाहिए। भारत को अपने आपराधिक न्यायशास्त्र को इस तरह ढालना होगा कि पर्यावरण को नुकसान पहुंचाना सिर्फ एक वित्तीय जुर्माना न रहे, बल्कि सलाखों के पीछे जाने का पक्का रास्ता बने।

ट्रंप का खत्म हुआ दबदबा

विजय भारतीय

अमेरिका में मध्यावधि चुनाव राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए बड़ा डाटका साबित हुए हैं। डोनाल्ड ट्रंप के लिए इन चुनावों को बड़ी परीक्षा माना जा रहा था। क्योंकि अपने दूसरे कार्यकाल में उन्होंने कई ऐसे फैसले लिए जिसका सीधा असर न केवल वैश्विक अर्थव्यवस्था और राजनीति पर पड़ा, बल्कि अमेरिका के भीतर भी सवाल खड़े होने लगे कि क्या दुनिया का सबसे बड़ा यह लोकतांत्रिक देश नफरत और हिंसा का प्रतिनिधि बनकर रह जाएगा। गौरतलब है कि अपने दूसरे कार्यकाल में ट्रंप ने मेक अमेरिका ग्रेट अगेन का नारा बुलंद करते हुए नयी टैरिफ नीति घोषित कर दी, जिसकी चपेट में भारत समेत कई देश आए। अमेरिका में काम करने, नागरिकता हासिल करने और वीजा के नए कड़े नियम बना दिए, जिसका असर लाखों लोगों पर पड़ा। ईरान पर इजरायल के कहने से ट्रंप ने हमला बोला, जिसकी वजह से न केवल हजारों निर्दोषों की मौत हुई, बल्कि होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग पर पाबंदी लगाने को ईरान मजबूर हुआ और इसका खामियाजा सारी दुनिया ने भुगता। ईरान के मीनाब शहर में बच्चियों के स्कूल पर अमेरिकी हमले के बारे में अमेरिका में सवाल उठे, लेकिन ट्रंप ने इस पर जवाब नहीं दिया। वेनेजुएला में राष्ट्रपति मादुरो निकोलस के सुरक्षा गार्डों को रिश्वत देकर अपने साथ मिलाना और फिर उन्हें पत्नी समेत अगवा कर लेने का काम ट्रंप ने किया, मानो दुनिया अब भी मध्यकाल में जी रही है। कई देशों के आंतरिक मामलों या चुनावों में दखल देने का काम अमेरिका हमेशा ही करता रहा है, ट्रंप ने इस रवायत को बरकरार रखा, हालांकि इससे उनका अपना ही नुकसान हुआ। बहरहाल, अब जो मध्यावधि चुनावों के नतीजे आए हैं, उसमें डेमोक्रेटिक पार्टी ने प्रतिनिधि सभा यानी हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव और सीनेट, दोनों पर नियंत्रण हासिल कर लिया है। इसके बाद सवाल उठने लगे हैं कि क्या अब ट्रंप के लिए बचे दो सालों का कार्यकाल खासा मुश्किल होने लगा है। वैसे अमेरिकी संविधान में इसेपरेशन ऑफ पावरश की व्यवस्था है। यानी शक्तियों का बंटवारा है। संसद, सुप्रीम कोर्ट और राष्ट्रपति की शक्तियां अलग–अलग हैं और कोई किसी के काम में दखल नहीं दे सकता। खास बात ये है कि राष्ट्रपति संसद के प्रति उत्तरदायी नहीं है। इसलिए सीनेट और प्रतिनिधि सभा में करारी हार के बावजूद राष्ट्रपति के तौर पर डोनाल्ड ट्रंप की कार्यकारी शक्तियों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। लेकिन अब वो कोई कानून अपनी मर्जी से पास नहीं करवा पाएंगे। इसके लिए संसद की जरूरत होती है। डेमोक्रेट्स की संख्या 90 होने के कारण, उनके सभी बिल रोक दिए जाएंगे। दूसरी बात, बजट पर संसद का नियंत्रण होता है। तो ट्रंप के लिए मागा जैसे प्रोजेक्ट्स के लिए कोई फंडिंग नहीं मिल पाएगी। वहीं व्यापार समझौतों और युद्ध के लिए फंडिंग के वास्ते संसद की मंजूरी जरूरी होगी, तो यहां भी मर्जी नहीं चल पाएगी। तीसरी बात जजों/अधिकारियों की मनमानी नियुक्ति नहीं कर पाएंगे, सीनेट उनके द्वारा चुने गए नामों को रोक देगी। ट्रंप पर अब महाभियोग का खतरा बढ़ सकता है। एपस्टीन फाइल्स जैसे कुछ मामलों में डेमोक्रेट्स जांच शुरू कर सकते हैं और महाभियोग की प्रक्रिया भी ला सकते हैं। इन नतीजों में कुछ चौंकाने वाले नतीजे आए हैं। जैसे डेमोक्रेट्स ने कई ऐसे राज्यों में भी जीत दर्ज की, जिन्हें पारंपरिक रूप से रिपब्लिकन का मजबूत इलाका माना जाता रहा है। टेक्सास, साउथ कैरोलाइना, आयोवा और कंसास जैसे राज्यों में उनकी सफलता विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। कई रिपब्लिकन उम्मीदवारों को भी हार का सामना करना पड़ा,

त्योहारों को लेकर पीस कमेटी की बैठक





लोक हस्तक्षेप संवाददाता

देवरिया। धनतेरस, दीपावली, गोवर्धन पूजा और छठ पूजा को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी और पुलिस अधीक्षक अभिजीत आर. शंकर की अध्यक्षता में पुलिस लाइन प्रेक्षागृह में पीस कमेटी की बैठक हुई। बैठक में शांति व्यवस्था, सुरक्षा इंतजाम और आपसी सौहार्द पर चर्चा हुई।

डीएम और एसपी ने कहा कि सभी त्योहार प्रेम, सद्भाव और भाईचारे का संदेश देते हैं। सभी लोग त्योहारों को आपसी सौहार्द और उल्लास के साथ मनाएं, एक–दूसरे की भावनाओं का सम्मान करें और ऐसी गतिविधि से बचें जिससे सामाजिक सौहार्द प्रभावित हो। उन्होंने शांति व्यवस्था बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करने की अपील की।

पटाखों की दुकानों को लेकर विशेष निर्देश दिए गए। आतिशबाजी की दुकानें सड़कों से दूर चिन्हित स्थानों पर ही लगाई जाएंगी। दुकानों पर अग्नि सुरक्षा मानकों का पालन अनिवार्य होगा। अधिकारियों को दुकानों का निरीक्षण कर सुरक्षा मानकों का अनुपालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए।

डीएम ने शासन के दिशा–निर्देशों का पालन कराने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी पूरी सतर्कता बरतें, संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखें और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर पुख्ता इंतजाम करें। सभी अधिकारी आपसी समन्वय से काम करें।

बिना अनुमति तेज आवाज में डीजे बजाने पर एक गिरफ्तार

बस्ती,संवाददाता। जिले के सोनहा थाना क्षेत्र के जोगिया पाठक गांव में बिना अनुमति तेज आवाज में डीजे बजाने पर पुलिस ने शमशेर अली उर्फ कल्लू को हिरासत में लिया। पुलिस ने उन्हें भानपुर तहसील स्थित न्यायालय भेजा। पुलिस के मुताबिक, शमशेर अली ने 4 नवंबर 2026 की रात आवासीय इलाके में तेज आवाज में डीजे बजाया था। शांति भंग होने की आशंका पर 5 नवंबर को उनके खिलाफ बीएनएस की धारा 170, 126 और 135 के तहत कार्रवाई की गई। शमशेर अली उर्फ कल्लू (59) जोगिया पाठक गांव के रहने वाले हैं।

उनके पिता का नाम मो. अमीन है। कार्रवाई थानाध्यक्ष महेश सिंह के नेतृत्व में हुई।

युवा उत्सव में लोकगीत, लोकनृत्य और कविता में दिखी प्रतिभा



लोक हस्तक्षेप संवाददाता

देवरिया। युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल विभाग की ओर से गुरुवार को संत विनोबा पीजी कॉलेज में जनपद स्तरीय युवा उत्सव (कल्चरल ट्रैक) का आयोजन हुआ। जिले के युवाओं ने लोकगीत, लोकनृत्य, कविता और पेंटिंग में प्रतिभा दिखाई। मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष गिरीश चंद्र तिवारी ने कहा कि युवा देश की सबसे बड़ी ताकत हैं। उन्हें मंच देना जरूरी है। विशिष्ट अतिथि सदर विधायक डॉ. शलभ मणि त्रिपाठी ने कहा कि युवाओं में प्रतिभा की कमी नहीं, सही दिशा और मंच की जरूरत है।

परिणाम रू लोकगीत समूह में पलक एंड ग्रुप प्रथम, सुनीता एंड ग्रुप द्वितीय, खुशी एंड ग्रुप तृतीय। लोकनृत्य में रिमझिम एंड ग्रुप प्रथम, आयुषी एंड ग्रुप द्वितीय, धरा एंड ग्रुप तृतीय। कविता में रोशनी मणि त्रिपाठी प्रथम, अपराजिता दुबे द्वितीय, श्रीवर्धन शिवम सिंह तृतीय। पेंटिंग में यशी मौर्या प्रथम, तूलिका चौरसिया द्वितीय, प्रिया कुशवाहा तृतीय रहे। विजेता अब राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे।

सांसद ने 2.15 किमी निर्माण कार्य का शिलान्यास किया

बहराइच,संवाददाता।

नवाबगंज विकासखंड में गुरुवार को त्वरित आर्थिक विकास योजना के तहत सड़क और पुलिया निर्माण का शिलान्यास किया गया। बहराइच के सांसद डॉ. आनन्द कुमार गोंड ने दोपहर करीब 3.30 बजे इसकी आधारशिला रखी। वित्तीय वर्ष 2026–27 के तहत ग्राम पंचायत जलालपुर में राजापुर मार्ग से शिवपुर सेमरा के शिवपुरा गांव तक सड़क पर लेपन और लघु सेतु (पुलिया) का निर्माण होगा। परियोजना की कुल लंबाई 2.15 किलोमीटर है। सांसद डॉ. आनन्द कुमार गोंड ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार ग्रामीण इलाकों के विकास के लिए काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि गांवों को मुख्य मार्गों से जोड़ना और बुनियादी ढांचे को मजबूत करना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि सड़क और पुलिया बनने से ग्रामीणों को आने–जाने में सुविधा होगी। इससे व्यापार, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच भी आसान होगी। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी और ग्रामीण मौजूद रहे। प्रधान अतुल सिंह, जिला महामंत्री रणविजय सिंह, पूर्व मंडल अध्यक्ष बलवंत सिंह, जिला पंचायत सदस्य संदीप जायसवाल, जिला कार्यसमिति सदस्य मानवेन्द्र प्रताप सिंह, प्रधान जलालपुर जितेंद्र कुमार, स्वामी जायसवाल, हर्षित सिंह, पिंटू गुप्ता, शिवम शर्मा और आनंद जायसवाल भी उपस्थित थे।

धनतेरस, दीपावली समेत त्योहारों पर भीड़ न लगाने के आदेश, उल्लंघन पर कार्रवाई होगी

बहराइच,संवाददाता। जनपद में धनतेरस, दीपावली, गोवर्धन पूजा, भैयादूज और छठ पूजा के दौरान शांति बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन ने धारा 163 है। यह आदेश 31 दिसंबर 2026 तक लागू रहेगा। जिलाधिकारी राजेश कुमार पांडेय के निर्देश पर भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस), 2023 की धारा 163 के तहत आदेश जारी किया गया है। इसका मकसद जिले में कानून–व्यवस्था और लोगों की सुरक्षा बनाए रखना है। आदेश के सभी 28 बिंदु 5 नवंबर से 31 दिसंबर 2026 तक लागू रहेंगे। ये नियम जिले में रहने वाले और यहां आने वाले सभी लोगों पर लागू होंगे। निषेधाज्ञा के किसी भी नियम का उल्लंघन करने पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 223 के तहत कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने लोगों से त्योहारों के दौरान शांति और सौहार्द बनाए रखने के लिए आदेशों का पालन करने की अपील की है।

धनतेरस पर बाजारों में खरीदारी की तैयारी

बहराइच,संवाददाता। नगर के चौक बाजार समेत शहर के प्रमुख बाजारों में धनतेरस की तैयारियां चल रही हैं। शुक्रवार को होने वाली खरीदारी के लिए दुकानों को सजाया जा रहा है। व्यापारियों को बेहतर बिक्री और कारोबार में तेजी की उम्मीद है। चौक बाजार के चांदी व्यापारी दीपक सोनी दाऊजी ने बताया कि सर्राफा बाजार में इन दिनों मंदी है। इसके बावजूद उन्हें धनतेरस पर अच्छी खरीदारी की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि बीते दिनों के मुकाबले सोने और चांदी की कीमतें कम हुई हैं, जिससे व्यापारियों की उम्मीद बढ़ी है।

बलहा विधानसभा की बैठक में सैकड़ों महिलाओं ने हिस्सा लिया

बहराइच,संवाददाता। बलहा विधानसभा क्षेत्र में महिलाओं को जागरूक और सशक्त बनाने के लिए बैठक हुई। इसमें अलग–अलग गांवों से सैकड़ों महिलाओं ने हिस्सा लिया। श्रेयांश यशस्वी और मुख्य वक्ता अवधेश वर्मा ने शिक्षा, सम्मान, अधिकार और आत्मनिर्भरता पर बात की। वंदेमातरम एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष और सामाजिक कार्यकर्ता श्रेयांश यशस्वी ने बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने कहा कि महिलाओं की भागीदारी और सशक्तिकरण के बिना समाज और देश की प्रगति संभव नहीं है। महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होना चाहिए और सामाजिक फैसलों में भाग लेना चाहिए। लेखक, उपन्यासकार और पत्रकार अवधेश वर्मा ने महिला शिक्षा, सुरक्षा, सम्मान, आत्मनिर्भरता और सामाजिक समानता पर विचार रखे। उन्होंने कहा कि महिलाओं को योजनाओं का लाभ लेने के साथ समाज के नेतृत्व और बदलाव में भी भूमिका निभानी चाहिए। बैठक में महिलाओं की सामाजिक भागीदारी बढ़ाने, बेटियों की शिक्षा को बढ़ावा देने और महिला अधिकारों के प्रति जागरूकता फैलाने पर जोर दिया गया। गांव–गांव तक महिलाओं की आवाज पहुंचाने की बात भी कही गई।

चोरों ने बंद घर का ताला तोड़कर गहने चुराए

प्रतापगढ़,संवाददाता। जिले के फतनपुर थाना क्षेत्र के नाथ का पूरा मसौली गांव में चोरों ने रात में एक बंद घर का ताला तोड़कर सोने–चांदी के आभूषण चुरा लिए। परिवार काम के सिलसिले में दूसरे प्रदेश में रहता है। घर मोहम्मद सदीक शकील का है। परिवार के बाहर रहने के कारण घर में कोई नहीं था। चोरों ने इसका फायदा उठाया और कमरे में घुसकर अलमारी और अटैची तोड़ दी। सुबह टहलने निकले आसपास के लोगों ने घर का टूटा ताला देखा।

नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

बस्ती,संवाददाता। जिले के सोनहा थाना क्षेत्र में नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने दिलशाद उर्फ सलीम को गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक, उसे केस दर्ज होने के 24 घंटे के भीतर पकड़ा गया। पुलिस ने बताया कि आरोपी को 5 नवंबर 2026 को दोपहर 3.20 बजे ग्राम बनगवां में चौधरी आरा मशीन से उत्तर की ओर ग्राम अलावल जाने वाले रास्ते से गिरफ्तार किया गया। केस 4 नवंबर 2026 को सोनहा थाने में दर्ज हुआ था। मामले में मु0अ0सं0 267ध्2026 के तहत बीएनएस की धारा 65(1) और पॉक्सो एक्ट की धारा 5(ए)6 लगाई गई हैं। पुलिस ने कानूनी कार्रवाई पूरी करने के बाद आरोपी को बस्ती कोर्ट भेजा। पुलिस के अनुसार, दिलशाद उर्फ सलीम, अब्दुल बारी का बेटा है।

वह ग्राम परसाकुतुब, थाना सोनहा, जिला बस्ती का रहने वाला है और उसकी उम्र करीब 24 साल है। पुलिस ने आरोपी का पुराना आपराधिक रिकॉर्ड भी बताया है। उसके खिलाफ सोनहा थाने में 2022 में मु0अ0सं0 227ध्2022 के तहत आईपीसी की धारा 147, 323, 341 और 504 में केस दर्ज हुआ था। गिरफ्तारी पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह के आदेश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत हुई।

कार्रवाई अपर पुलिस अधीक्षक श्यामकान्त के निर्देशन, क्षेत्राधिकारी रुधौली अनिल कुमार सिंह की निगरानी और सोनहा थानाध्यक्ष महेश सिंह के नेतृत्व में की गई।

सनातन संस्कृति को मजबूत करने के लिए गुरुकुलों का संरक्षण और संवर्धन जरूरी

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

गड्डार (बलिया)। भारतीय संस्कृति की मूल शक्ति संस्कार और आध्यात्मिक परंपराओं में निहित है। सनातन संस्कृति की जड़ें को मजबूत करने के लिए गुरुकुलों का संरक्षण और संवर्धन जरूरी है। उक्त बातें श्री जंगली बाबा धाम ट्रस्ट गड्डार के तत्वाधान में आयोजित हरिहरात्मक महायज्ञ में वृन्दावन से पधारे अन्तर्राष्ट्रीय कथावाचक पुंडरीक गोस्वामी ने मानस मंच से प्रवचन पंडाल में उपस्थित श्रोतागणों से कथा के दौरान कही। कथा के दौरान भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं, माखन चोरी और गोवर्धन लीला का भावपूर्ण वर्णन किया। श्रीराम रमण हरि बोल... हरि बोलश के संकीर्तन से पूरा पंडाल भक्तिमय हो गया। हजारों श्रद्धालु तालियों और जयकारों के साथ भक्ति में लीन रहे। उन्होंने कहा कि भगवान की बाल लीलाओं में वात्सल्य, करुणा और भक्तों के प्रति प्रेम का भाव दिखाई देता है। यज्ञाचार्य सच्चा बाबा आश्रम प्रयागराज से पधारे गंगाधर जी के सान्निध्य में 54 कुंडीय महायज्ञ में यजमानों के द्वारा प्रतिदिन वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजन–हवन का कार्य संपादित किया जा रहा है। वहीं यज्ञ मंडप की परिक्रमा करने के लिए श्रद्धालुओं का सुबह से ही तांता लग जा रहा है। श्री जंगली बाबा धाम सेवा ट्रस्ट के संयोजक पंडित राहुल उपाध्याय ने बताया की यज्ञ को लेकर पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो गया है। सुरक्षा के मद्देनजर थाना प्रभारी हितेश कुमार की देखरेख में पर्याप्त पुलिस बल तैनात है।

डीएम ने जिला पंचायत राज अधिकारी और नगर पालिका व नगर पंचायतों के ईओ को छठ घाटों की साफ–सफाई और स्वच्छता व्यवस्था सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए।

एसपी ने कहा कि अफवाहों पर ध्यान न दें और भ्रामक सूचना न फैलाएं। कहीं समस्या या संदिग्ध गतिविधि दिखे तो तत्काल पुलिस को सूचित करें। डीएम ने सभी को पर्वों की शुभकामनाएं दीं।

बैठक में एडीएम प्रशासन प्रेम नारायण सिंह, एडीएम वित्त एवं राजस्व पंकज प्रकाश राठौर, सीएमओ, अपर पुलिस अधीक्षक, एसडीएम, सीओ, थाना प्रभारी, धर्मगुरु और प्रबुद्धजन मौजूद रहे।

पेंशनरों के लिए ऑनलाइन डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र जमा करने की सुविधा

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

देवरिया। पेंशनरों की सुविधा के लिए ऑनलाइन डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र जमा करने की वेबसाइट और ऐप के बारे में वरिष्ठ कोषाधिकारी अतुल कुमार पाण्डेय और पेंशन संगठन अध्यक्ष श्रीराम त्रिपाठी की संयुक्त अध्यक्षता में बैठक हुई। पेंशनर्स कल्याण संस्था के पदाधिकारियों को प्रक्रिया की जानकारी दी गई।

वरिष्ठ कोषाधिकारी ने बताया कि जो पेंशनर या पारिवारिक पेंशनर अपना जीवित प्रमाण पत्र कोषागार में प्रस्तुत नहीं कर सके हैं, os http://jeevanpramaan-gov-in वेबसाइट के माध्यम से बैंक खाता संख्या, पीपीओ संख्या और आधार नंबर फीड कर जीवन प्रमाण पत्र जमा कर सकते हैं।

स्मार्टफोन से भी यह सुविधा उपलब्ध है। इसके लिए प्ले स्टोर से आधार फेस आरडी और जीवन प्रमाण ऐप इंस्टॉल कर अपना प्रमाण पत्र कोषागार देवरिया को भेजा जा सकता है। उमंग ऐप के माध्यम से भी बायोमेट्रिक्स वेरिफिकेशन के साथ प्रमाण पत्र जमा किया जा सकता है। इसके लिए कोषागार आने की जरूरत नहीं होगी।

यह प्रमाण पत्र वर्ष में एक बार किसी भी माह में जमा किया जा सकता है। यदि पेंशनर को अपना पीपीओ नंबर ज्ञात नहीं है तो https://koshvani-up-nic-in/ वेबसाइट पर खाता संख्या का विवरण भरकर पीपीओ नंबर प्राप्त कर सकते हैं। वरिष्ठ कोषाधिकारी ने कहा कि शासन की इस सुविधा से बुजुर्ग पेंशनरों और जनपद के बाहर या दूरदराज रहने वाले पेंशनरों को भागदौड़ से राहत मिलेगी। वे अपनी सुविधानुसार कहीं से भी प्रमाण पत्र दाखिल कर सकेंगे। उन्होंने सभी पेंशनरों से इस डिजिटल सुविधा का लाभ उठाने की अपील की। बैठक में पेंशनर्स संघ के पदाधिकारी, अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

निर्माणाधीन सड़कों एवं बाईपास के कार्यों में तेजी लाएं अधिकारी : डीएम

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

देवरिया। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में रेलवे ओवरब्रिज, अंडरपास तथा विभिन्न विभागों के अंतर्गत निर्माणाधीन एवं स्वीकृत मार्गों की समीक्षा बैठक हुई। बैठक में एनएच, लोक निर्माण विभाग और ग्रामीण अभियंत्रण विभाग के कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने राम–जानकी मार्ग, देवरिया बाईपास, तमकुहीराज –मझौलीराज–नवलपुर–सिकंदरपुर मार्ग तथा सलेमपुर बाईपास के निर्माण की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्माण कार्यों में तेजी लाने और निर्धारित समय–सीमा में कार्य पूरा कराने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि सभी कार्य गुणवत्ता मानकों के अनुरूप विभागीय समन्वय और अन्य बाधाओं का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण कराया जाए, ताकि निर्माण कार्य अनावश्यक



कराए जाएं और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। भूमि संबंधी समस्याओं, रूप से प्रभावित न हों। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को आपसी समन्वय से काम करने और अगली बैठक से पहले हर हाल में अपेक्षित प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही निर्माण कार्यों की नियमित निगरानी करने और प्रगति से अवगत कराने को भी कहा।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी राजेश कुमार सिंह, एडीएम वित्त एवं राजस्व पंकज प्रकाश राठौर, परियोजना निदेशक एमओआरसीएच गोरखपुर, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग राष्ट्रीय राजमार्ग खंड गोरखपुर, उप निदेशक मंडी गोरखपुर, अधिशासी अभियंता प्रांतीय खंड लोक निर्माण विभाग देवरिया तथा अधिशासी अभियंता ग्रामीण अभियंत्रण विभाग देवरिया सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

धनतेरस–दीपावली से पहले बाजार सजे

बस्ती,संवाददाता। धनतेरस और दीपावली से पहले बस्ती जिले के दुबौलिया बाजार में दुकानें सज गई हैं। लोग त्योहार के लिए खरीदारी करने बाजार पहुंच रहे हैं। दुकानदारों ने अपनी दुकानों को रंग–बिरंगी झालरों, लाइटों और सजावटी सामान से सजाया है। बाजार में भगवान गणेश और माता लक्ष्मी की मूर्तियों के साथ मिट्टी के दीये, मोमबत्तियां, रंगोली, पूजन सामग्री और घरेलू सामान बिक रहे हैं। लोग घर की सजावट के लिए लाइटें और पूजा के लिए गणेश–लक्ष्मी की मूर्तियां खरीद रहे हैं। मिट्टी के दीयों और पारंपरिक सजावटी सामान में भी उनकी रुचि दिख रही है। दुकानदारों को उम्मीद है कि धनतेरस और दीपावली नजदीक आने पर बिक्री बढ़ेगी। बाजार में बढ़ती चहल–पहल से छोटे दुकानदारों और स्थानीय व्यापारियों को भी कारोबार बढ़ने की उम्मीद है।

धनतेरस आज, भगवान धन्वंतरि और माता लक्ष्मी की होगी विशेष पूजा

धन-धान्य और आरोग्य की कामना के साथ मनाया जाएगा धनतेरस का पर्व - आचार्य अजय शुक्ल



लोक हस्तक्षेप संवाददाता

देवरिया। धनतेरस का पावन पर्व शुक्रवार को श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाएगा। दीपावली के पांच दिवसीय महापर्व का शुभारंभ धनतेरस से होता है। आचार्य अजय शुक्ल ने बताया कि कार्तिक कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि को भगवान धन्वंतरि समुद्र मंथन से अमृत कलश लेकर प्रकट हुए थे। इसलिए इस दिन को धन्वंतरि जयंती और धनत्रयोदशी भी कहा जाता है।

शुभ मुहूर्त :

– त्रयोदशी तिथि : 6 नवंबर सुबह 10:31 बजे से 7 नवंबर सुबह 10:48 बजे तक

– पूजा मुहूर्त : शाम 5:50 बजे से 7:47 बजे तक

– प्रदोष काल : शाम 5:19 बजे से 7:54 बजे तक

इस अवधि में भगवान धन्वंतरि, माता लक्ष्मी और भगवान कुबेर की पूजा और यम दीपदान करना शुभ माना जाता है।

आचार्य के अनुसार धनतेरस पर प्रातः घर की साफ–सफाई कर मुख्य द्वार पर रंगोली बनाएं और संध्या समय दीप जलाएं। भगवान धन्वंतरि की पूजा कर परिवार के अच्छे स्वास्थ्य की कामना करें। सोना, चांदी, पीतल, तांबे के बर्तन या सामर्थ्य अनुसार घरेलू वस्तुएं खरीदना शुभ है। शाम को मुख्य द्वार पर दक्षिण दिशा में यमराज के निमित्त दीपदान करने से अकाल मृत्यु के भय से मुक्ति और दीर्घायु का आशीर्वाद मिलता है।

धनतेरस और दीपावली पर जाम रोकने के लिए यातायात पुलिस ने तय की अलग-अलग लेन

बस्ती,संवाददाता। धनतेरस और दीपावली पर भीड़ को देखते हुए बस्ती के गांधी नगर मुख्य बाजार में यातायात पुलिस ने सीसी बोल्डर रखकर डिवाइडर बनाए हैं। अब आने और जाने वाले वाहन अलग–अलग लेन में चलेंगे। गुरुवार को यातायात प्रभारी कुलदीप त्रिपाठी के नेतृत्व में पुलिस टीम क्रेन और ट्रक के साथ बाजार पहुंची। सड़क के बीच जगह–जगह सीसी बोल्डर रखकर लेन तय की गई। कुलदीप त्रिपाठी मौके पर मौजूद रहे और पुलिसकर्मियों को दिशा–निर्देश दिए। कुलदीप त्रिपाठी ने बताया कि त्योहारों पर खरीदारी के लिए बाजार में बड़ी संख्या में लोग आते हैं। जाम से बचने के लिए पहले से यह व्यवस्था की गई है। डिवाइडर से सड़क के बीच बेतरतीब पार्किंग पर रोक लगेगी और पैदल चलने वालों को भी सुविधा होगी। गांधी नगर शहर का प्रमुख बाजार है। धनतेरस और दीपावली पर यहां कपड़े, बर्तन, आभूषण, इलेक्ट्रॉनिक सामान और पूजन सामग्री खरीदने हजारों लोग पहुंचते हैं। हर साल भीड़ के कारण जाम लगता था। व्यापारियों ने यातायात पुलिस की पहल का स्वागत किया है। कुलदीप त्रिपाठी ने लोगों से तय जगहों पर वाहन खड़ा करने और यातायात व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग की अपील की। त्योहार के दौरान गांधी नगर समेत शहर के प्रमुख स्थानों पर यातायात पुलिस तैनात रहेगी।

दीपावली पर गरीब रेहड़ी–पटरी दुकानदारों का करें समर्थन करें : उमाशंकर ओमर

- स्थानीय विक्रेताओं से सामान खरीदकर उनके परिवारों की खुशियों में बनें

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

मऊ। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष उमाशंकर ओमर ने दीपावली के पावन पर्व पर जनपदवासियों से गरीब रेहड़ी–पटरी दुकानदारों एवं स्थानीय छोटे विक्रेताओं से सामान खरीदने की अपील की है। उन्होंने कहा कि दीपावली का त्योहार खुशियां बांटने का पर्व है। ऐसे में हमें उन गरीब परिवारों की खुशियों का भी ध्यान रखना चाहिए, जो छोटी–छोटी दुकानें लगाकर अपने परिवार का भरण–पोषण करते हैं।

उमाशंकर ओमर ने कहा कि मिट्टी के दीये बेचने वाला एक गरीब विक्रेता थोड़े से मुनाफे की उम्मीद में दिनभर धूप में बैठकर ग्राहकों का इंतजार करता है। हम बड़ी–बड़ी दुकानों पर हजारों रुपये खर्च कर देते हैं, लेकिन सड़क किनारे बैठे गरीब दुकानदारों से सामान खरीदते समय मोलभाव करने लगते हैं। यह उचित नहीं है।

उन्होंने नागरिकों से आग्रह किया कि दीपावली पर ऑनलाइन डिलीवरी ऐप्स और बड़ी दुकानों के बजाय स्थानीय छोटे विक्रेताओं से भी खरीदारी करें।

गरीब दुकानदारों से सामान खरीदकर उनके बच्चों के चेहरे पर मुस्कान लाएं और उनके परिवार की दीपावली खुशहाल बनाएं।अंत में उन्होंने समस्त जनपदवासियों को दीपावली पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि छोटी–सी खरीदारी किसी गरीब परिवार के लिए बड़ी खुशी का कारण बन सकती है।



आलिया भट्ट ने छठी क्लास में शुरू कर दी थी डेटिंग, कॉफी विद करण पर सुनाया था वाकया

एक्ट्रेस आलिया भट्ट पॉपुलर चैट शो कॉफी विद करण में कई बार आ चुकी हैं। हालांकि, उन्होंने इस चैट शो में 2013 में अपने स्टूडेंट ऑफ द ईयर के को–स्टार्स सिद्धार्थ मल्होत्रा और वरुण धवन के साथ डेब्यू किया था। इस एंटरटेनिंग एपिसोड के दौरान, आलिया ने होस्ट और फिल्ममेकर करण जौहर समेत सभी को चौंका दिया, क्योंकि उन्होंने बताया कि उन्होंने क्लास 6 में डेटिंग शुरू कर दी थी। करण ने कहा कि वरुण ने उन्हें बताया कि आलिया के बचपन में कई यंग बॉयफ्रेंड थे। हालांकि, इस पर मजाकिया अंदाज में आपत्ति जताते हुए आलिया ने कहा, मैं इसे कोई सिलसिला नहीं कहूंगी, लेकिन मेरे (बॉयफ्रेंड) और सीरियस रिलेशनशिप थे, जैसे दो साल, (फिर) दो साल। करण ने इस बात पर हैरानी जताई कि आलिया 17 साल की उम्र तक दो सीरियस रिलेशनशिप में रह चुकी थीं। करण जौहर ने पूछा, आपने 10 साल की उम्र में डेटिंग शुरू कर दी थी आलिया ने हंसकर जवाब देते हुए कहा, इसीलिए मैं कहती हूं कि यह कोई डोरी नहीं है। मैंने छठी क्लास में डेटिंग शुरू कर दी थी। जब हैरान करण ने उनसे पूछा, क्या?, आलिया ने जवाब दिया, लेकिन, जाहिर है कि यह डेटिंग नहीं थी। यह तो बस ऐसा था, जैसे हम क्लासरूम की दूसरी तरफ से एक–दूसरे को देखकर मुस्कुराते थे। वरुण ने फिर मजाक में कहा कि यह आधा–आधा था, जिस पर आलिया ने कहा, कुछ भी आधा–अधूरा नहीं था। असल में मेरा पहला बॉयफ्रेंड 10वीं क्लास में था। यह बताते हुए कि यह एक सीरियस रिलेशनशिप था, आलिया ने कहा, क्योंकि मैंने उसे दो साल तक डेट किया। वह मेरा पहला, हाई–स्कूल जैसा प्यार था। करण ने आलिया से यह भी पूछा कि क्या उन्होंने उन्हें इसलिए छोड़ दिया, क्योंकि वह एक्टर बनना चाहती थीं। इस बात से इनकार करते हुए एक्ट्रेस ने कहा, नहीं, उन्होंने मुझे छोड़ दिया। आलिया की लव लाइफ की बात करें तो उन्होंने कुछ समय तक डेटिंग करने के बाद 14 अप्रैल, 2022 को एक्टर रणबीर कपूर से शादी कर ली। नवंबर 2022 में इस लवबर्ड्स ने अपनी बेटी राहा कपूर का स्वागत किया।

जिम जाने का नहीं है समय? घर पर ही करें ये एक्सरसाइज

आजकल जिम जाना हर किसी को पसंद है। इससे न केवल फिटनेस को लेकर आत्मविश्वास बढ़ता है, बल्कि कई लोग तो इसका हिस्सा बनकर खुद को फिट और स्वस्थ रखने की प्रेरणा भी लेते हैं। हालांकि, अगर किसी कारण से आप जिम नहीं जा पा रहे हैं तो घर पर भी कुछ ऐसी एक्सरसाइज हैं, जिन्हें आप आसानी से अपना सकते हैं। आइए आज हम आपको घर पर की जाने वाली 5 एक्सरसाइज के बारे में बताते हैं।

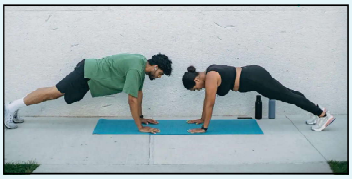
पुश अप्स

पुश अप्स एक ऐसी एक्सरसाइज है, जिसे आप घर पर आसानी से कर सकते हैं। यह एक्सरसाइज आपके सीने, कंधों और बाजुओं को मजबूत बनाने में मदद करती है। इसे करने के लिए सबसे पहले जमीन पर सीधे खड़े हो जाएं, फिर हाथों को जमीन पर रखकर शरीर को सीधा रखें। अब धीरे–धीरे अपने शरीर को नीचे की ओर ले जाएं, फिर वापस ऊपर की ओर धक्का मारें।

इस प्रक्रिया को बार–बार दोहराएं।

स्क्वाट्स

स्क्वाट्स आपके पैरों और



निचले शरीर के लिए एक बेहतरीन एक्सरसाइज है। इसे करने के लिए सबसे पहले सीधे खड़े हो जाएं, फिर घुटनों को मोड़ते हुए ऐसे बैठें, जैसे कि कुर्सी पर बैठने वाली हों।

? इस स्थिति में आने के बाद धीरे–धीरे नीचे की ओर झुकते हुए वापस खड़े हो जाएं। यह एक्सरसाइज आपके पैरों की मांसपेशियों को मजबूती देती है और उन्हें टोन करती है।

इसके अलावा यह आपकी पीठ को भी सहारा देती है।

प्लैंक

प्लैंक एक बहुत ही असरदार एक्सरसाइज है, जो आपके पूरे शरीर को मजबूती देती है। इसे करने के लिए सबसे पहले जमीन पर पेट के बल लेट जाएं, फिर अपने दोनों हाथों को कंधे की सीध में रखकर अपने पंजों पर वजन डालें।

इस स्थिति में अपने शरीर को सीधा रखें और 30 सेकंड से एक मिनट तक इसी अवस्था में रहें। प्लैंक करने से आपकी पीठ, पेट और कंधों की मांसपेशियां मजबूत होती हैं।

लंजेस

लंजेस आपके पैरों और नितंबों के लिए एक बेहतरीन एक्सरसाइज है। इसे करने के लिए सबसे पहले सीधे खड़े हो जाएं, फिर एक पैर को आगे की ओर बढ़ाएं और दूसरे पैर को पीछे की ओर रखें। अब घुटनों को मोड़ते हुए इस स्थिति में आएं, जैसे कि आप बैठ रहे हों। इस अवस्था में कुछ सेकंड रहें, फिर पहले पैर को पीछे ले जाएं और दूसरे पैर को आगे लाएं।

यह प्रक्रिया दोनों पैरों से बार–बार दोहराएं।

बर्पीज

बर्पीज एक ऐसी एक्सरसाइज है, जो आपके पूरे शरीर को सक्रिय रखती है। इसे करने के लिए सबसे पहले जमीन पर खड़े होकर झुकें और हाथ जमीन पर रखें, फिर दोनों पैरों को पीछे की ओर ले जाएं। अब छाती को जमीन से लगाएं और वापस ऊपर आएं, फिर कूदते हुए खड़े हो जाएं। यह प्रक्रिया बार–बार दोहराएं। इन सभी एक्सरसाइज को अपने रूटीन में शामिल करके आप बिना किसी जिम के भी फिट रह सकते हैं।

रामायण में लक्ष्मण बने रवि दुबे का पोस्टर रिलीज, हाथों में धनुष–बाण थामे आए नजर

नमित मल्होत्रा की रामायण को लेकर जबरदस्त बज बना हुआ है। फिल्म की रिलीज से पहले मेकर्स कैरेक्टर्स पोस्टर रिलीज कर रहे हैं। अब फिल्म से लक्ष्मण के रूप में रवि दुबे का सोलो कैरेक्टर पोस्टर रिलीज कर दिया है। इस पोस्टर के साथ दर्शकों को महागाथा के सबसे सम्मानित पात्रों में से एक के रूप में एक्टर का कमी न देखा जाने वाला अवतार देखने मिलने वाला है। रवि दुबे इस पोस्टर में एक वीर योद्धा के अवतार में नजर आ रहे हैं। पोस्टर में उन्होंने हाथ में धनुष–बाण थामा है, जबकि चेहरे पर साहस, पक्का इरादा और लड़ने के लिए तैयार रहने वाला जोश साफ नजर आ रहा है। पोस्टर में इस माहौल को महसूस किया जा सकता है जो रणबीर कपूर के बतौर राम के रूप में सामने आए पोस्टर में देखने मिला था। राम और लक्ष्मण भाई हैं और पोस्टर में भी उनके इस रिश्ते को महसूस किए जाने वाले जुड़ाव को भी देखा जा सकता है। फिल्म के मेकर्स ने सोशल मीडिया पर रवि दुबे को लक्ष्मण के रूप में पेश करते हुए उनका एक दमदार पोस्टर शेयर किया। इसके साथ ही उन्होंने लिखा, एक समर्पित भाई। एक निडर योद्धा। राम की ढाल। रवि दुबे लक्ष्मण के किरदार में। रामायण में लक्ष्मण के किरदार की अपनी खास जगह है। लक्ष्मण को हमेशा से अपने भाई के लिए प्यार, सम्मान, समर्पण और उनकी निडरता के लिए बेहद पसंद किया गया है। ऐसे में अब इस सोलो कैरेक्टर रिवील के साथ मेकर्स ने दर्शकों को रवि दुबे द्वारा निभाए गए मशहूर योद्धा के किरदार की झलक दी है। फिल्म में लक्ष्मण के किरदार में कदम रखने के बारे में बात करते हुए रवि दुबे कहते हैं, लक्ष्मण का किरदार निभाना एक ऐसा एहसास है, जिसे शब्दों में बयां करना आसान नहीं है। वह ताकत, साहस, भक्ति और निस्वार्थ भावना का अनोखा मेल है। भगवान राम के प्रति उनका अटूट प्रेम और उनके आदर्शों के लिए समर्पण हमेशा से मुझे प्रेरित करता रहा है। उन्होंने कहा, ऐसे पौराणिक किरदार को पर्दे पर निभाने का मौका मिलना मेरे लिए सम्मान की बात है, साथ ही यह एक बड़ी जिम्मेदारी भी है, जो मेरे दिल के बेहद करीब है। मुझे उम्मीद है कि दर्शक इस किरदार को निभाने में हमारी सच्चाई और भावनाओं को महसूस कर पाएंगे। फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम, साई पल्लवी सीता, यश रावण, सनी देओल हनुमान और रवि दुबे लक्ष्मण के किरदार म` ` जर आएंगे।

वेंकटेश–त्रिविक्रम की आदर्श कुटुंबम ने पहले सप्ताहांत में कमाए 75 करोड़ रुपये

अभिनेता वेंकटेश और निर्देशक त्रिविक्रम की फिल्म श्आदर्श कुटुंबम्य का बॉक्स ऑफिस पर पहला सप्ताहांत मिला–जुला रहा। बड़ी स्टार जोड़ी और दर्शकों के बीच पहले से बनी उम्मीदों के बावजूद फिल्म की शुरुआत अपेक्षा के अनुरूप नहीं रही। हालांकि, प्रदर्शन के दूसरे और तीसरे दिन इसकी कमाई में लगातार सुधार हुआ है। इससे फिल्म के निर्माताओं को आगे बेहतर कारोबार की उम्मीद बंधी है। फिल्म ने पहले सप्ताहांत में दुनियाभर में करीब 75 करोड़ रुपये का सकल कारोबार किया है। इसमें आंध्र प्रदेश और तेलंगाना का सबसे बड़ा योगदान रहा। इन दोनों राज्यों से फिल्म ने 50 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की। कर्नाटक से करीब आठ करोड़ रुपये और देश के अन्य हिस्सों से दो करोड़ रुपये का कारोबार हुआ। इस तरह भारत में फिल्म की कुल सकल कमाई लगभग 60 करोड़ रुपये रही, जबकि विदेशों से 15 करोड़ रुपये जुटाए। फिल्म के लिए राहत की बात यह है कि घरेलू बाजार में इसकी कमाई में प्रतिदिन बढ़ोतरी दर्ज की गई। दूसरे दिन का कारोबार पहले दिन से बेहतर रहा, जबकि तीसरे दिन की कमाई दूसरे दिन के मुकाबले अधिक रही। कारोबार में यह बढ़ोतरी दर्शाती है कि फिल्म को पारिवारिक दर्शकों का समर्थन मिल रहा है। हालांकि, वेंकटेश और त्रिविक्रम की लोकप्रिय जोड़ी को देखते हुए पहले सप्ताहांत का कुल कारोबार अभी भी अपेक्षाओं से कम माना जा रहा है। अब फिल्म की सफलता काफी हद तक आने वाले कार्यदिवसों में होने वाली कमाई पर निर्भर करेगी। खबरों के अनुसार, फिल्म को अपनी लागत निकालने के लिए दुनियाभर में करीब 125 करोड़ रुपये का सकल कारोबार करना होगा।

फातिमा सना शेख का सिजलिंग एथनिक लुक वायरल, सिल्क साड़ी में ढाया कहर

बॉलीवुड की खूबसूरत अदाकारा फातिमा सना शेख अपनी शानदार एक्टिंग के साथ–साथ अपने कमाल के फैशन सेंस के लिए भी जानी जाती हैं। हाल ही में फातिमा ने इंस्टाग्राम पर अपने नए फोटोशूट की कुछ बेहद ही दिलकश तस्वीरें शेयर की हैं, जिन्होंने सोशल मीडिया का पारा चढ़ा दिया है। पारंपरिक भारतीय परिधान साड़ी को जिस आत्मविश्वास, सिजलिंग अंदाज और आधुनिकता के साथ फातिमा ने कैरी किया है, वह देखने लायक है। तस्वीरों में फातिमा सना शेख पिस्ता ग्रीन रंग की बेहद खूबसूरत सिल्क साड़ी में नजर आ रही हैं। साड़ी पर बारीक गोल्ड जरी, सेक्विन वर्क और एथनिक फ्लोरल मोटिफ्स की एम्ब्रॉयडरी की गई है। साड़ी को एक ग्लैमरस ट्विस्ट देने के लिए फातिमा ने इसके साथ गहरे मैरून और गोल्डन जरी की सघन एम्ब्रॉयडरी वाला स्लीवलेस ब्लाउज पेयर किया है। इस ब्लाउज की डीप प्लंजिंग स्वीटहार्ट नेकलाइन और कट–वर्क डिजाइन उनके एथनिक लुक में बोल्डनेस और हॉटनेस का तड़का लगा रहा है। किसी तस्वीर में फातिमा कैमरे की ओर साइड–प्रोफाइल दिखाते हुए अपनी टोन्ड बैक और बैकलेस ब्लाउज की खूबसूरती को फ्लॉन्ट कर रही हैं। तो किसी तस्वीर में वह अपनी झुकी हुई निगाहों और उंगलियों से बालों को संवारते हुए क्लोज–अप पोज दे रही हैं। फातिमा ने अपने इस एथनिक ग्लैमरस लुक को पूरा करने के लिए मिनिमल लेकिन बेहद प्रभावशाली मेकअप का चुनाव किया है। बालों के लिए उन्होंने मिडल–पार्टेड सॉफ्ट ओपन वेव्स हेयरस्टाइल चुना है, जो उनके कंधों पर बहते हुए उनके लुक को एक रॉयल और ड्रीमी वाइब दे रहा है। ज्वेलरी की बात करें तो फातिमा ने गले को खाली रखते हुए ध्यान सिर्फ अपने ईयररिंग्स पर केंद्रित रखा है। उन्होंने मैरून और पर्ल वर्क वाले हैवी पारंपरिक झूमके, हाथों में स्टेटमेंट कुंदन रिंग और हैवी कड़े पहन रखे हैं। फातिमा सना शेख की तस्वीरों के कमेंट सेक्शन में फैंस ने तारीफों की झड़ी लगा दी। कोई उनके एक्सप्रेशन्स को किलर बता रहा है। तो कोई उनके एथनिक स्टाइल को परफेक्ट फेस्टिवल एंड वेडिंग इंस्पिरेशन बता रहा है।



सर्दियों में भारतीय पारंपरिक कपड़े पहनने वाली महिलाएं इन तरीकों से करें लेयरिंग

सर्दियों में भारतीय पारंपरिक कपड़े पहनने वाली महिलाएं अक्सर ठंड से बचने के लिए कई परतें पहनती हैं। हालांकि, सही तरीके से लेयरिंग न करने पर यह देखने में अच्छा नहीं लगता। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे फैशन टिप्स देंगे, जिनसे आप सर्दियों में भी स्टाइलिश और आरामदायक रह सकती हैं।

इन उपायों को अपनाकर आप अपने पारंपरिक लुक को और भी खास बना सकती हैं और ठंड से भी बच सकती हैं।

कुर्ता और कोट का मेल

सर्दियों में कुर्ता पहनना एक अच्छा विकल्प हो सकता है, लेकिन इसे और भी आकर्षक बनाने के लिए आप एक सुंदर कोट का इस्तेमाल कर सकती हैं। अगर आप प्रिंटेड कुर्ता पहन रही हैं तो सादे रंग का कोट चुनें। वहीं, अगर आपका कुर्ता सादे रंग का है तो प्रिंटेड कोट बेहतर रहेगा। इससे न केवल आपका लुक बेहद खास लगेगा, बल्कि ठंड से भी अच्छी तरह बचाव हो जाएगा।

साड़ी के साथ शॉल पहनें

साड़ी के साथ शॉल पहनना एक शानदार तरीका है, जिससे आप ठंड से बच सकती हैं और स्टाइलिश भी दिख सकती हैं। शॉल को आप अपने कंधों पर डाल सकती हैं या इसे अपनी



साड़ी के पल्लू की तरह इस्तेमाल कर सकती हैं। यह न केवल आपको गर्म रखेगा, बल्कि आपके पूरे लुक को भी खास बनाएगा। अलग–अलग रंगों और डिजाइनों की शॉल चुनकर आप अपने साड़ी लुक को और भी आकर्षक बना सकती हैं।

अनारकली सूट हमेशा से ही पारंपरिक और आकर्षक रहा है। सर्दियों में इसे और भी खास बनाने के लिए आप एक सुंदर जैकेट का इस्तेमाल कर सकती हैं। जैकेट न केवल आपको गर्म रखेगी, बल्कि आपके पूरे लुक को भी खास बनाएगी। आप अलग–अलग रंगों और डिजाइनों की जैकेट चुन सकती हैं, ताकि आपका अनारकली सूट और जैकेट का मेल शानदार लगे। इस तरह से आप ठंड से बचते हुए भी स्टाइलिश दिख सकती हैं।

लहंगा–चोली हमेशा से ही शादी–ब्याह जैसे खास मौकों पर पहना जाता रहा है, लेकिन सर्दियों में इसे पहनना थोड़ा मुश्किल हो सकता है।

इसके लिए आप लहंगा–चोली के नीचे एक लंबा कुर्ता पहन सकती हैं। यह न केवल आपको गर्म रखेगा, बल्कि आपके पूरे लुक को भी खास बनाएगा। इसके साथ ही आप हल्के गहनों का इस्तेमाल करके अपने लुक को और भी आकर्षक बना सकती हैं।आप कुर्ते के अंदर स्वेटर आदि पहन सकती हैं।

धोती–पैंट और लंबे कोट का मेल

धोती–पैंट आजकल बहुत चलन में हैं और इन्हें सर्दियों में पहनना सुरक्षित रहता है। धोती–पैंट के ऊपर एक लंबा कोट पहनें, ताकि आपका पूरा शरीर ढका रहे। इसके साथ हल्के गहने पहनें, ताकि आपका लुक बहुत बनावटी न लगे। इन सभी तरीकों से आप न केवल ठंड से बच सकती हैं, बल्कि स्टाइलिश भी दिख सकती हैं। सही कपड़ों का चयन करके आप हर मौसम में खास दिख सकती हैं।

डब्ल्यूटीए फाइनल्स ड्रॉ : पहले मैच में रायबाकिना का मुकाबला नोस्कोवा से और सबालेंका का मुचोवा से

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया की नंबर 1 और डिफेंडिंग चैंपियन एलेना रायबाकिना को डब्ल्यूटीए फाइनल्स के नॉकआउट स्टेज तक पहुंचने के लिए मुश्किल रास्ता दिया गया है। 27 साल की इस खिलाड़ी को ग्रुप 1 में कोको गॉफ और जेसिका पेगुला की अमेरिकी जोड़ी और विंबलडन चैंपियन लिंडा नोस्कोवा के साथ रखा गया है। इस इवेंट में दुनिया की टॉप आठ महिला खिलाड़ी हिस्सा ले रही हैं, जिन्हें दो चार–खिलाड़ियों के ग्रुप में बांटा गया है, जो 8 नवंबर से शुरू होने वाले राउंड–रॉबिन इवेंट में आमने–सामने होंगी, जिससे चार सेमीफाइनलिस्ट तय होंगे। सेमीफाइनल 14 नवंबर को खेले जाएंगे, और जीतने वाली टीमें 15 नवंबर को टाइटल के लिए आमने–सामने होंगी। पिछले दो मेजर चैंपियन, रायबाकिना और नोस्कोवा के बीच 2026 की पहली मुलाकात, डब्ल्यूटीए फाइनल्स



की शुरुआत होगी। मार्च में इंडियन वेल्स चैंपियनशिप मैच में आर्यना सबालेंका से हारने वाली रायबाकिना 2013–14 में सेरेना विलियम्स के बाद पहली बार डब्ल्यूटीए फाइनल्स टाइटल को सफलतापूर्वक डिफेंड करना चाहती हैं। इस साल की शुरुआत में विंबलडन में अपना पहला ग्रैंड स्लैम टाइटल जीतने के बाद, युवा चेक खिलाड़ी साल के आखिर में होने वाली चैंपियनशिप में अपने डेब्यू में कुछ खास करने के लिए बेताब होंगी। दोनों की आखिरी मुलाकात 2025 में दुबई में हुई थी, जहां रायबाकिना ने हेड–टू–हेड में लगातार तीसरी जीत हासिल की थी। गॉफ ने 2024 में डब्ल्यूटीए फाइनल्स जीता था और पेगुला 2023 में इगा स्वियाटेक से रनर–अप रहीं। पिछले साल के डब्ल्यूटीए फाइनल्स में दोनों को एक ही ग्रुप में रखा गया था, जहां दुबई चैंपियन पेगुला ने तीन सेट में जीत हासिल की थी। लेकिन सिनसिनाटी चैंपियन गॉफ ने 2026 के अपने दोनों मुकाबले, विंबलडन क्वार्टर फाइनल और सिनसिनाटी फाइनल में जीते हैं। दो बार की फाइनलिस्ट आर्यना सबालेंका, जो पिछले साल के डब्ल्यूटीए फाइनल्स टाइटल मैच में रायबाकिना से हार गई थीं, ग्रुप 2 में हैं क्योंकि वह इंडियन वेल्स टेनिस गार्डन में वापसी कर रही हैं।

एसबीआई का दूसरी तिमाही में मुनाफा 14 प्रतिशत बढ़ा

मुंबई, एजेंसी। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने मंगलवार को वित्त वर्ष 27 की दूसरी तिमाही (जुलाई–सितंबर) के नतीजे जारी किए। इस दौरान बैंक का शुद्ध मुनाफा सालाना आधार पर 14.3 प्रतिशत बढ़कर 23,038 करोड़ रुपए पर पहुंच गया है। इसमें सहयोगी कंपनी में हिस्सेदारी बिक्री से आई एक मुश्त आय भी शामिल है। एसबीआई को वित्त वर्ष 27 की दूसरी तिमाही में अपनी सहयोगी कंपनी एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट लिमिटेड में 6.30 प्रतिशत की हिस्सेदारी बिक्री से 7,288 करोड़ रुपए प्राप्त हुए थे। इससे पहले वित्त वर्ष 26 की दूसरी तिमाही में कंपनी का शुद्ध मुनाफा 20,160 करोड़ रुपए रहा था।

केविन मीलामू ने विराट, रोहित और गिल को दी ऑल ब्लैक्स जर्सी

ऑकलैंड, एजेंसी। न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे से पूर्व भारतीय खिलाड़ियों कप्तान शुभमन गिल, विराट कोहली और रोहित शर्मा को न्यूजीलैंड के पूर्व महान रग्बी खिलाड़ी केविन मीलामू से पर्सनलाइज्ड ऑल ब्लैक्स जर्सी दी। ऑकलैंड के ईडन पार्क में एक खास बातचीत के दौरान तीनों का ऑल ब्लैक्स परिवार में स्वागत किया गया, जहां मीलामू ने क्रिकेटरों को उनके क्रिकेट नंबर वाली एक काली जर्सी दी। गिल को 77, कोहली को 18 और रोहित को 45 नंबर की जर्सी दी गई। न्यूजीलैंड रग्बी के सबसे मशहूर खिलाड़ियों में से एक, मीलामू ने 132 टेस्ट मैचों में ऑल ब्लैक्स का प्रतिनिधित्व किया। वह 2011 और 2015 में रग्बी वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम का हिस्सा थे। 4 नवंबर को मशहूर ऑकलैंड वेन्यू पर शुरू हुई पांच मैचों की वनडे सीरीज से पहले भारतीय



स्टार्स के साथ उनकी मीटिंग ने एक स्पोर्टिंग क्रॉसओवर का मौका दिया। ईडन पार्क न्यूजीलैंड के स्पोर्टिंग इतिहास में एक खास जगह रखता है, जो देश के सबसे मशहूर रग्बी वेन्यू में से एक है। यह स्टेडियम ऑल ब्लैक्स के शानदार 54 मैचों के बिना हारे होम रन से भी जुड़ा है, जो 1994 में शुरू हुआ था। भारतीय क्रिकेट टीम ने सोशल मीडिया पर इस बातचीत की साझा की। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने इसे तीन भारतीय स्टार्स और न्यूजीलैंड रग्बी के एक महान खिलाड़ी से जुड़ा एक खास पल बताया।

अर्शदीप ने झटके 4 विकेट, न्यूजीलैंड ने भारत को दिया 186 रन का लक्ष्य

ऑकलैंड, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम ने ईडन पार्क में खेले जा रहे सीरीज के पहले वनडे में न्यूजीलैंड को 185 रन पर समेट दिया है। टीम इंडिया के लिए सबसे ज्यादा 4 विकेट अर्शदीप सिंह ने लिए। भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था। गेंदबाजों ने गिल के फैसले को बिल्कुल सही साबित किया। न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही। विल यंग 9 रन बनाकर 22 के स्कोर पर पहले विकेट के रूप में आउट हुए। इसके बाद विकेट गिरने का सिलसिला कभी नहीं रुका। कीवी टीम को कभी भी बड़ी साझेदारी नहीं मिली। डेवॉन कोनवे की जगह टीम में शामिल किए विकेटकीपर बल्लेबाज टिम सिफर्ट ने सर्वाधिक 38 रन बनाए। 43 गेंदों की पारी में सिफर्ट ने 2 छक्के और 3 चौके लगाए। डेरिल मिचेल ने 41 गेंदों पर 28 और ग्लेन



फिलिप्स ने 51 गेंदों पर 30 रन की पारी खेली। इसके अलावा कोई भी कीवी बल्लेबाज भारतीय गेंदबाजों का सामना नहीं कर सका। मिचेल को रोहित शर्मा ने रन आउट किया। एक समय 146 के स्कोर पर 9 विकेट खोकर मुश्किल में दिखी कीवी टीम के लिए ब्लेयर टिकनर संकटमोचक बनकर आए। आखिरी नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए इस खिलाड़ी ने 23 गेंदों पर 34 रन की पारी खेलकर टीम का स्कोर 185 तक पहुंचाया। आखिरी विकेट के लिए हुई 39 रन की साझेदारी में टिकनर को डफी नाबाद 15 का भी सहयोग मिला। कीवी टीम 40.2 ओवर में 185 रन पर सिमट गई।

ज्वेलरी और निवेश के लिए तीसरी तिमाही में मांग 19 प्रतिशत तक घटी

मुंबई, एजेंसी। वैश्विक स्तर पर ज्वेलरी और निवेश के लिए सोने की मांग में 2026 की तीसरी तिमाही (जुलाई–सितंबर) में क्रमशरू19 प्रतिशत और 14 प्रतिशत की कमी देखने को मिली है। यह जानकारी वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल (डब्ल्यूजीसी) की ओर से मंगलवार को जारी आंकड़ों में दी गई। डब्ल्यूजीसी ने बताया कि वैश्विक स्तर पर 2026 की तीसरी तिमाही में ज्वेलरी के लिए सोने की मांग सालाना आधार पर 19 प्रतिशत घटकर 340. 1 टन हो गई है, जो कि पिछले वर्ष की समान अवधि में 420.0 टन थी। साथ ही कहा कि इस दौरान निवेश के लिए भी सोने की मांग में कमी देखने को मिली है। यह सालाना आधार पर 14 प्रतिशत कम होकर 479.0 टन हो गई है, जो कि पिछले वर्ष की समान अवधि में 554.3 टन थी।

मैनचेस्टर यूनाइटेड ने तोड़ा लगातार हार का सिलसिला, रोमा को 3–2 से हराया

मैनचेस्टर, एजेंसी। मैनचेस्टर यूनाइटेड ने दो गोल से पीछे रहने के बावजूद ओल्ड ट्रैफर्ड में शानदार वापसी करते हुए यूईएफए चैंपियंस लीग में रोमा को 3–2 से हराया। मैनचेस्टर यूनाइटेड ने इस जीत के साथ लगातार 9 मैचों में हार के सिलसिले को समाप्त किया। मटियास सोले ने मेहमान टीम के लिए पहला गोल किया, जिसके बाद डोनियल मालेन ने पेनल्टी को गोल में बदलकर शुरुआती 17 मिनट में स्कोर 2–0 कर दिया। इन दो गोलों ने मैनचेस्टर यूनाइटेड पर दबाव बढ़ा दिया। यूनाइटेड के खिलाड़ियों को इसके बाद अपने समर्थकों के भारी विरोध का सामना करना पड़ा। पिच पर हरी टेनिस बॉल फेंकी गई और फुटबॉल डायरेक्टर जेसन विलकॉक्स के खिलाफ नारे लगाए गए। यूनाइटेड की मुश्किलें तब और बढ़ गईं जब मिडफील्डर कार्लोस



बालेबा को हैमस्ट्रिंग में चोट लग गई, जिससे कैरिक की पहले से ही मुश्किल शाम में एक और चिंता बढ़ गई। हालांकि, कप्तान ब्रूनो फर्नांडीस ने पेनल्टी को गोल में बदलकर यूनाइटेड की मैच में वापसी कराई। हालांकि, कोशिश बेकार हो गई थी। मोमेंटम धीरे–धीरे होम टीम की तरफ मुड़ गया, जब ब्रायन म्यूमो ने दोनों पोस्ट पर शॉट मारकर यूनाइटेड को बराबरी पर लाने के बहुत करीब आ गए। रोमा का विरोध आखिरकार तब टूट क्षेत्र के अंदर एक उल्लंघन के बाद उन्हें स्पॉट–किक दोबारा लेनी पड़ी क्योंकि उनकी पहली गया जब लियोनार्डो बालेरडी क्लीयरेंस से निपटने में नाकाम रहे, जिससे मैथ्यूस कुन्हा को फायदा उठाने और बराबरी करने का मौका मिल गया। मैच के आखिरी स्टेज पर, कुन्हा ने अहम झटका दिया, मुश्किल एंगल से एक जोरदार फिनिश के साथ गोल करके यूनाइटेड की जबरदस्त वापसी करवाई। कुन्हा के इस गोल ने ओल्ड ट्रैफर्ड में फैंस को झूमने पर मजबूर कर दिया। हालांकि, ब्राजील के इस खिलाड़ी को स्टॉपेज टाइम में बालेरडी पर फाउल करने के लिए दूसरा येलो कार्ड मिला। उन्हें पहले गोल सेलिब्रेशन के दौरान अपनी शर्ट उतारने के लिए बुक किया गया था, जिससे यूनाइटेड को 10 खिलाड़ियों के साथ खेलने पर मजबूर होना पड़ा।

अनिल अंबानी समूह पर ईडी की बड़ी कार्रवाई

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रिलायंस अनिल अंबानी समूह के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत बड़ी

दो निजी विमान समेत 510 करोड़ की संपत्ति जब्त

कार्रवाई की है। एजेंसी ने समूह से जुड़े दो निजी हवाई जहाजों सहित करीब 510 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की है। यह कार्रवाई रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड और रिलायंस कम्युनिकेशन लिमिटेड से जुड़े बैंक फ्राड मामलों की जांच के सिलसिले में की गई है। ईडी के मुताबिक, मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम कानून (पीएमएलए) के तहत अब तक समूह की कुल 23,100 करोड़ रुपये की संपत्तियां जब्त की जा चुकी हैं। अनिल अंबानी समूह की विभिन्न कंपनियों के खिलाफ दिल्ली सीबीआइ, दिल्ली और मुंबई की आर्थिक अपराध शाखा में कई मामले दर्ज हैं। इन मामलों के आधार पर ईडी वित्तीय अनियमितताओं और कथित मनी लॉन्ड्रिंग की जांच कर रही है। एजेंसी का आरोप है कि समूह से जुड़े मामलों में बैंक और वित्तीय संस्थानों से प्राप्त धन के इस्तेमाल तथा संपत्तियों के हस्तांतरण की जांच की जा रही है। ईडी के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, ताजा कार्रवाई में रिलायंस होम फाइनेंस और रिलायंस कम्युनिकेशन से संबंधित संपत्तियों को जब्त किया गया है। इनमें रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड की 263 करोड़ रुपये और रिलायंस कम्युनिकेशन लिमिटेड की 247 करोड़ रुपये की संपत्तियां शामिल हैं।

भारत जीएम उत्पादों के आयात की अनुमति नहीं देगा, डेयरी क्षेत्र की भी सुरक्षा करेगा : पीयूष गोयल

नयी दिल्ली, एजेंसी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि भारत ने किसी भी मुक्त व्यापार समझौते में अपने डेयरी क्षेत्र को नहीं खोला है और आनुवंशिक रूप से संशोधित (जीएम) उत्पादों के आयात की अनुमति भी नहीं देगा। उन्होंने इन दोनों मुद्दों को देश के लिए बहुत संवेदनशील बताया। राष्ट्रीय राजधानी में किरोड़ीमल कॉलेज के विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए गोयल ने कहा कि भारत ने किसी भी संवेदनशील वस्तु पर कभी भी समझौता नहीं किया है और व्यापार समझौतों में हमेशा अपने किसानों, मछुआरों तथा सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) के हितों की रक्षा की है। उन्होंने व्यापार समझौतों से जुड़े एक सवाल के जवाब में कहा, हम कुछ कृषि उत्पादों और कुछ ऐसी वस्तुओं के मामले में बाजार खोलने को लेकर बहुत



संवेदनशील हैं जिनमें हमारी मजबूत स्थिति है, जैसे समुद्री उत्पाद। हम अपना डेयरी क्षेत्र खोलने को लेकर बहुत संवेदनशील हैं। वास्तव में, आज तक हमने किसी के लिए भी डेयरी क्षेत्र नहीं खोला है। उन्होंने कहा, हम भारत में किसी भी जीएम उत्पाद को आने देने के मामले में बहुत संवेदनशील हैं। हमने कभी इसकी अनुमति नहीं दी है और भविष्य में भी ऐसा नहीं करेंगे। हम अपनी धार्मिक संवेदनशीलताओं को लेकर भी सतर्क हैं। अक्सर विदेशों में डेयरी उत्पाद बनाने के दौरान बछड़े के मांस या रेनेट का इस्तेमाल किया जाता है...हम भारत में इसकी अनुमति नहीं देते। इसके लिए सख्त प्रमाणन जरूरी है, ताकि भारत के बड़े हिस्से की धार्मिक भावनाओं को ठेस न पहुंचे। रेनेट पनीर बनाने में इस्तेमाल होने वाला एक एंजाइम है, जिसे परंपरागत रूप से छोटे बछड़ों के पेट की अंदरूनी परत से निकाला जाता है। मंत्री ने कहा, हमारा प्रयास रोजगार के नए अवसरों के साथ–साथ अपने उन उत्पादों के लिए नए बाजार खोलना है, जिनमें हम प्रतिस्पर्धी हैं और जिनसे भारत के बड़े हिस्से, हमारे एमएसएमई, कृषि क्षेत्र के किसानों तथा सभी को बड़े पैमाने पर लाभ मिल सकता है।श्श ये टिप्पणियां इसलिए महत्वपूर्ण हैं क्योंकि भारत की आबादी का एक बड़ा हिस्सा कृषि पर निर्भर है और इनमें ज्यादातर छोटे तथा सीमांत किसान हैं। नीति–निर्माताओं को आशंका है कि जीएम फसलों का सस्ता और बड़े पैमाने पर आयात, खासकर विकसित देशों की अत्यधिक मशीनीकृत और सब्सिडी वाली कृषि प्रणालियों से होने वाला आयात, घरेलू कीमतों को नीचे ला सकता है और ग्रामीण आय को नुकसान पहुंचा सकता है। ये उत्पाद खाद्य सुरक्षा, किसानों की आजीविका, पर्यावरण संबंधी जोखिमों, धार्मिक चिंताओं और व्यापार संरक्षण से जुड़े मुद्दों के कारण भी संवेदनशील हैं। अमेरिका की जीएम कृषि उत्पादों और डेयरी उत्पादों में बड़ी कारोबारी रुचि है। भारत के नियम धार्मिक संवेदनशीलताओं के कारण पशु–आधारित चारा खाने वाले पशुओं से प्राप्त उत्पादों के आयात पर रोक लगाते हैं।

घरेलू शेयर बाजारों में शुरुआती कारोबार में तेजी

मुंबई, एजेंसी। घरेलू शेयर बाजारों में सेंसेक्स और निफ्टी बुधवार को शुरुआती कारोबार में बढ़त के साथ खुले। दोनों सूचकांकों में लगातार पांचवें कारोबारी सत्र में तेजी जारी रही। विदेशी पूंजी के प्रवाह और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी से निवेशकों की धारणा को बल मिला। बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 288 अंक चढ़कर 77,185.35 अंक पर और एनएसई निफ्टी 77.25 अंक की बढ़त के साथ 23,890.85 अंक पर रहा। सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटीसी, अडानी पोर्ट्स, एचडीएफसी बैंक, बजाज फिनसर्व और भारतीय स्टेट बैंक के शेयर सबसे अधिक बढ़त में रहे। वहीं, पावर ग्रिड, इटर्नल, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और भारती एयरटेल के शेयर में गिरावट रही।

वैश्विक दबाव के बीच सपाट खुला बाजार, सेंसेक्स 478 अंक उछला, निफ्टी में 0.56 प्रतिशत की तेजी

मुंबई, एजेंसी। लगातार चार कारोबारी सत्रों की तेजी के बाद भारतीय शेयर बाजार ने बुधवार को हल्की कमजोरी के साथ शुरुआत की। एशियाई बाजारों में आईटी शेयरों पर दबाव और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर बढ़ते खर्च को लेकर चिंताओं के बीच वैश्विक संकेत मिश्रित रहे, जिसका असर घरेलू बाजार पर भी देखने को मिला। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 64. 74 अंक या 0.08 प्रतिशत की गिरावट के साथ 76,853.11 पर खुला। वहीं निफ्टी 68.60 अंक या 0.29 प्रतिशत फिसलकर 23,742. 25 पर कारोबार की शुरुआत की। हालांकि बाद के कारोबार में दोनों बेंचमार्कों में और तेजी दर्ज की गई। दिन के कारोबार में एक समय सेंसेक्स 478.18 अंक या 0. 62 प्रतिशत उछलकर 77,96.04 के दिन के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। वहीं निफ्टी 50 135. 5 अंक या 0.56 प्रतिशत चढ़कर



23,46.35 के दिन के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। सेक्टोरल आधार पर बाजार का रुख मिला–जुला रहा। निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, निफ्टी रियल्टी और निफ्टी आईटी सूचकांक में 0.79 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई। इसके अलावा मेटल, ऊर्जा, प्राइवेट बैंक और पीएसयू बैंक शेयरों में भी कमजोरी देखने को मिली। इस क्षेत्र में निवेशकों की रुचि बनी रही। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के रुख में बदलाव ने निवेशकोकी धारणा को सकारात्मक बनाया है। पिछले छह कारोबारी सत्रों में से पांच में एफआईआई खरीदार रहे हैं और उन्होंने कुल 18,661 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे हैं। विश्लेषकों के अनुसार, पिछले दो वर्षों से एफआईआई की लगातार बिकवाली बाजार पर दबाव बना रही थी, लेकिन अब स्थिति बदलती दिखाई दे रही है। मजबूत कॉर्पोरेट नतीजे और लार्जकैप शेयरों का आकर्षक मूल्यांकन बाजार को बुनियादी समर्थन प्रदान कर रहा है। वहीं एआई थीम–आधारित वैश्विक निवेशों में नरमी ने भी विदेशी निवेशकों की वापसी में मदद की है। हालांकि हेल्थकेयर और फार्मा शेयरों ने बाजार को कुछ सहारा दिया। निफ्टी 500 हेल्थकेयर, निफ्टी हेल्थकेयर इंडेक्स और निफ्टी फार्मा सूचकांक में 0.23 प्रतिशत तक की बढ़त दर्ज की गई, जिससे

वी–मार्ट रिटेल का दूसरी तिमाही में घाटा बढ़कर 16 करोड़ रुपए हुआ

मुंबई ., एजेंसी। वी–मार्ट रिटेल लिमिटेड ने मंगलवार को वित्त वर्ष 2027 की दूसरी तिमाही के नतीजे घोषित किए। सितंबर 2026 में समाप्त तिमाही में उसका समेकित शुद्ध घाटा बढ़कर 16 करोड़ रुपए हो गया, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि (वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही) में कंपनी को 8.87 करोड़ रुपए का शुद्ध घाटा हुआ था। घाटे में बढ़ोतरी के बावजूद, वैल्यू फैशन और लाइफस्टाइल रिटेल कंपनी ने तिमाही के दौरान राजस्व में अच्छी वृद्धि दर्ज की। कंपनी की ओर से स्टॉक एक्सचेंज में दाखिल जानकारी के अनुसार, परिचालन से राजस्व सालाना आधार पर 18.1 प्रतिशत बढ़कर 953 करोड़ रुपए हो गया। जो एक साल पहले की समान अवधि में 807 करोड़ रुपए था।

भारत ने यूएई को अनार और कीवी का किया निर्यात, किसानों की बढ़ेगी आय

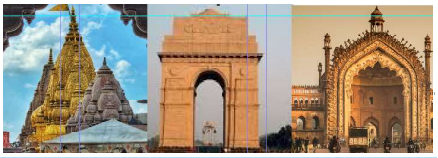
नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के अनार और कीवी फलों की ताजा खेप यूएई के दुबई के बाजार में पहुंच गई है, जिससे देश के किसानों के लिए नए बाजारों के रास्ते खुले हैं। यह केंद्र सरकार के कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) के सहयोग से संभव हुआ है। यह जानकारी वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने मंगलवार को दी। वाणिज्य मंत्रालय की ओर से मंगलवार को जारी एक बयान के अनुसार, एपीडा ने हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले से सिंदूरी किस्म के 1.3 मीट्रिक टन अनार और अरुणाचल प्रदेश के जीरो से 1.5 मीट्रिक टन कीवी के परीक्षण निर्यात को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के दुबई तक पहुंचाने में मदद की है। अनार की इस खेप में 2–2 किलोग्राम के 650 बॉक्स शामिल थे, जिसका निर्यात उत्तर प्रदेश स्थित अमामा एक्सपोर्ट्स ने किया। इस पहल के तहत स्थानीय उत्पादकों और एक किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) को निर्यातक से जोड़ा गया है, जिससे हिमाचल अलावा यहां भगवा और कंधारी किस्मों की भी खेती होती है।

प्रकाशक, मुद्रक एवम् संपादक विजय दुबे द्वारा 62, पार्वती नगर, पाण्डेयपुर, वाराणसी से प्रकाशित व काशी प्रिंटर्स, मिन्ट हाउस, वाराणसी से मुद्रित। समस्त विवादों को लखनऊ की सक्षम अदालतों में निपटाया जायेगा।

फोन : 91 8787220970
91 9839666352
आर.एन.आई.रूUPHIN/2008/32231
डाक पंजीयन : जी–2/न्यूज पेपर/59/2004.
E-mail: lokhastakshep@gmail.com

संपादक: विजय दुबे
कार्यकारी संपादक: दीप्ती दुबे '
संपादकीय सलाहकार : राधाकृष्ण मिश्र

'समाचारों के चयन व संपादन हेतु पीआरबी एक्ट, के अन्तर्गत उत्तरदायी



राहुल चर्चा के लिए हरियाणा का कोई चौराहा चुन ले : अमित शाह

अंबाला में शहीद स्मारक का लोकार्पण



राजेंद्र सिंह जादौन

चंडीगढ़। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह अंबाला के गांधी मैदान में रैली को संबोधित करते हुए कहा– 1857 की क्रांति में अंग्रेजों की नींव हिल गई थी। जिस भूमि से इसका बिगुल बजा, उसे मैं हाथ जोड़कर प्रणाम करता हूं। इससे पहले उन्होंने अंबाला में ही 600 करोड़ रुपए की लागत से बने 1857 की क्रांति के शहीद स्मारक का लोकार्पण किया।

रैली में सीएम नायब सिंह सैनी ने कहा– गृहमंत्री अमित शाह में लौहपुरुष की छवि दिखती है। उन्होंने अंग्रेजो के बनाए आपराधिक कानून हटाएं।

इससे पहले शाह करनाल में भाजपा की पदयात्रा में शमिल हुए। यहां उन्होंने कहा कि देश की जनता ने लगातार तीसरी बार नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री चुना है। वर्ष 2024 के बाद राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस को लगातार हार का सामना करना पड़ा है। शाह ने कहा, राहुल जी, आप संसद चलने नहीं देते। मुद्दों पर चर्चा नहीं करते। संसद में शोर–शराबे को कांग्रेस ने अपना कल्चर बना दिया है। सड़क पर भीड़ इकट्ठा करके अनार्किस्ट (अराजकतावादी) की तरह अराजकता फैलानी है। उन्होंने कहा, 'राहुल गांधी को सड़क पर चर्चा करने का इतना ही शौक है तो कोई बात नहीं। हरियाणा के किसी चौराहे की जगह तय कर लें। हमारी युवा मोर्चा के अध्यक्ष चर्चा करने के लिए वहां पहुंच जाएंगे।"

मैं उम्मीदवार नहीं था, होता तो बड़े अंतर से जीतते : ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मिडटर्म इलेक्शन के नतीजों पर पहली बार बयान दिया। उन्होंने कहा कि क्योंकि वो चुनाव नहीं लड़ रहे थे इसलिए पार्टी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर पहली प्रतिक्रिया जाहिर की। उन्होंने लिखा, ष्चुनाव में मैं उम्मीदवार नहीं था। अगर मैं उम्मीदवार होता, तो हम बहुत बड़े अंतर से जीतते! हालांकि रिपब्लिकन उम्मीदवारों का चुनाव प्रचार करते हुए ट्रंप ने लोगों से अपील की थी कि वोट डालते समय ये सोचें कि उम्मीदवार वो खुद (ट्रंप) हैं।

श्रीगंगानगर में रेलवे ट्रैक के पास संदिग्ध विस्फोट

श्रीगंगानगर, एजेंसी। राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले के रामसिंहपुर में रेलवे ट्रैक के पास संदिग्ध विस्फोट जैसी घटना सामने आने के बाद इलाके में सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और मामले की गहनता से जांच शुरू कर दी गई है। राहत की बात यह है कि घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है और न ही किसी ट्रेन को नुकसान पहुंचा है। इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए राजस्थान सरकार के गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम ने आईएएनएस से बात करते हुए बताया कि श्रीगंगानगर जिले के रामसिंहपुर में रेलवे लाइन के पास विस्फोट जैसी घटना की सूचना मिली है। घटना से करीब एक घंटे पहले वहां से एक यात्री ट्रेन गुजरी थी। इसके बाद यह घटना हुई। रेलवे ट्रैक के लोहे वाले हिस्से को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है, हालांकि ट्रैक के नीचे लगे स्लीपरों में दरारें आई हैं। मंत्री ने कहा कि पुलिस घटनास्थल पर पहुंच चुकी है और पूरे मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। जांच में घटना के कारणों और इसके पीछे जिम्मेदार लोगों का पता लगाया जाएगा। जवाहर सिंह बेढम ने कहा कि जिसने भी इस तरह की हरकत करने का दुस्साहस किया है, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि फिलहाल स्थिति सामान्य है। घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है और रेल परिचालन को भी कोई नुकसान पहुंचने की सूचना नहीं है।

अमेरिकी चुनाव में ट्रंप को चुनौती, हाउस में डेमोक्रेट्स का कब्जा, सीनेट में बहुमत की ओर

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के मध्यावधि चुनाव में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को कड़ी चुनौती मिल रही है। अधिकतर राज्यों में मतदान बंद होने के बाद मतगणना चल रही है। अभी तक के नतीजों के मुताबिक, डेमोक्रेट्स सीनेट में 45 सीटों पर आगे चल रही है और बहुमत की ओर है। यहां रिपब्लिकन 34 सीटों पर आगे है। सबसे चौंकाने वाला परिणाम चुनाव पलटने वाला राज्य कहे जाने वाले नॉर्थ कैरोलिना में दिखा है, जहां डेमोक्रेट रॉय कूपर ने जीत हासिल की है। अमेरिकी सीनेट में कुल 100 सदस्य होते हैं। इस बार 35 सीटों पर मतदान हुआ है। बहुमत के लिए 51 सीटें चाहिए होती हैं। चुनाव से पहले रिपब्लिकन के पास 53, डेमोक्रेट्स के पास 45 और निर्दलीय 2 लोग थे। दोनों निर्दलीय सदस्य डेमोक्रेट्स के साथ मतदान करते हैं। नॉर्थ कैरोलाइना में रॉय कूपर ने रिपब्लिकन माइकल व्हाटली को हराया है। यह रिपब्लिकन के कब्जे वाली सीट थी। जॉर्जिया में डेमोक्रेटिक सीनेटर जॉन ओसॉफ दोबारा जीत गए हैं। डेमोक्रेट्स हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव पर लगभग कब्जा कर लिया है। अनुमान के मुताबिक, डेमोक्रेट्स लगभग 244 हाउस सीटें जीतने की ओर है, जो बहुमत के लिए जरूरी 218 से कहीं ज्यादा है। कई मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि 99 प्रतिशत संभावना है कि डेमोक्रेट्स हाउस पर नियंत्रण कर लेंगे।



चुनाव चुनाव वॉशिंगटन में सत्ता बैलेंस को बदल सकता है। चुनाव में सभी 435 हाउस सीटों और 36 राज्यों में गवर्नर के लिए भी चुनाव हो रहे हैं। अमेरिका में इस बार 50 में से 36 राज्यों में गवर्नर के चुनाव हुए हैं। चुनाव से पहले रिपब्लिकन और डेमोक्रेट्स के पास बराबर–बराबर 18 राज्य थे।

जलकर खाक हुईं 80 झुग्गियां, 2 युवकों की दर्दनाक मौत, मलबे से बरामद हुए शव

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू–कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर के बेमिना इलाके में आधी रात के वक्त भीषण आग लगने से भारी तबाही मच गई। बेमिना स्थित दुर्बल क्षेत्र में बनी झुग्गी बस्ती में 3 और 4 नवंबर की दरमियानी रात भड़की इस भयानक आग में कबाड़ बीनने का काम करने वाले दो लोगों की जिंदा जलकर दर्दनाक मौत हो गई जबकि लकड़ी और तिरपाल से बनी लगभग 80 अस्थायी झुग्गियां पूरी तरह जलकर राख के ढेर में तब्दील हो गईं। आग इतनी प्रचंड थी कि कुछ ही मिनटों में पूरी बस्ती में अफरा–तफरी और चीख–पुकार मच गई। अग्निशमन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, दुर्बल की घनी झुग्गी बस्ती में आग लगने की घटना रात करीब 12रू23 बजे पेश आई। बस्ती में एकत्र किए गए प्लास्टिक, कबाड़ और अन्य अत्यधिक ज्वलनशील पदार्थों के साथ–साथ लकड़ी व तिरपाल से बनी झोपड़ियों के कारण आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया। जब तक लोग कुछ समझ पाते और आपातकालीन सेवाओं को सूचित किया जाता, तब तक लपटों ने पूरी बस्ती को अपने आगोश में ले लिया था। आग के प्रचंड ताप और लपटों की जद में आने से पास ही स्थित एक खाली पोल्ट्री फार्म और वहां खड़ा एक टिपर वाहन भी बुरी तरह जलकर क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे की सूचना मिलते ही जेवीसी और रावलपोरा फायर स्टेशनों से दमकल की गाड़ियां तुरंत मौके के लिए रवाना की गईं। आग की भयावहता को देखते हुए बाद में बटामालू स्थित फायर एंड इमरजेंसी सर्विसेज मुख्यालय से अतिरिक्त दमकल वाहन और बचाव दल भी बुलाए गए। आग पर काबू पाने के बाद जब खोज और बचाव दलों ने राख और मलबे को हटाना शुरू किया, तो वहां से दो व्यक्तियों के बुरी तरह झुलसे हुए शव बरामद हुए।

हरियाणा के 7 शहर देश में सबसे प्रदूषित, गुरुग्राम समेत तीन जिलों में 50: स्टाफ का वर्क फ्रॉम होम

चंडीगढ़। सर्दियों की शुरुआत के साथ ही हरियाणा में वायु प्रदूषण ने विकराल रूप ले लिया है। शुक्रवार को देश के 12 सबसे प्रदूषित शहरों में हरियाणा के अकेले 7 शहर शामिल रहे। इनमें गुरुग्राम का पंचगांव 391 ।फ्ए (एयर क्वालिटी इंडेक्स) के साथ सबसे ऊपर दर्ज किया गया। इसके अलावा बहादुरगढ़, जींद, बल्लभगढ़, कैथल, गुरुग्राम और मानेसर में भी हवा की गुणवत्ता श्वेहद खराबश श्रेणी में रही।

हवा में घुले इस जहर के कारण लोगों को सांस लेने में दिक्कत, आंखों में जलन और गले में खराश जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इसका सबसे ज्यादा असर बच्चों और बुजुर्गों पर पड़ा है। प्रदूषण के खतरनाक स्तर को देखते हुए प्रशासन ने सख्त कदम उठाए हैं। गुरुग्राम, फरीदाबाद और सोनीपत के सरकारी व निजी दफ्तरों में 50 फीसदी कर्मचारियों को ही ऑफिस बुलाने के आदेश दिए गए हैं, जबकि बाकी 50 फीसदी घर से काम (वर्क फ्रॉम होम) करेंगे।

ग्रैप (ळत्च्) नियमों के तहत राज्य में निर्माण और तोड़फोड़ की गतिविधियों पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है, हालांकि मेट्रो, अस्पताल और राष्ट्रीय राजमार्ग जैसी जरूरी परियोजनाओं को इससे छूट दी गई है। नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जा रही है। रोहतक में एनजीटी ने 28 कंपनियों को नोटिस जारी किया है, वहीं गुरुग्राम में धूल नियंत्रण नियमों का पालन न करने पर 13.50 लाख रुपये का जुर्माना वसूला गया है।

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, इस बार पराली जलाने के मामले कम होने के बावजूद ठंड और हवा की धीमी गति के कारण स्मॉग की स्थिति बनी हुई है।

मौसम विभाग ने अनुमान जताया है कि 10 नवंबर तक मौसम खुश्क रहेगा, लेकिन 14 नवंबर को होने वाली संभावित बारिश के बाद ही आम जनता को इस गंभीर प्रदूषण से राहत मिल सकेगी।

